

Discover your divinity with us  
A/C Showroom  
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र  
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्गा  
0788-4030383, 3293199  
भगवान के दर्शन, श्रृंगार  
मूर्तियां एवं समस्त  
पूजन सामग्री  
संगमरमर व पीतल की  
मूर्तियां राशि रत्न  
एवं उपकरण उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

# सामय



रायपुर एवं दुर्गा से प्रकाशित

# दर्शन

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

दुर्गा शहर में  
सुप्रसिद्ध  
ज्योतिषाचार्य  
पं. एम.पी. शर्मा/  
मो. 8109922001  
फीस 251/- मात्र  
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय  
सिकोला भाटा, सब्जी मार्केट के  
सामने, धमधा नाका, दुर्गा

वर्ष 06, अंक 239 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये

रायपुर, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024

www.samaydarshan.in

## संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय चुनावों में स्थानीय मुद्दे सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनावों की रिजल्टों के शुरुआती रुझान आना शुरू हो गए हैं। ताजा समाचार मिलने तक हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी 46 सीटों पर आगे है, जबकि कांग्रेस 37 और अन्य 5 सीटों पर आगे है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल काँग्रेस 41, भारतीय जनता पार्टी 22, कांग्रेस 9, पीडीपी 3 व अन्य 9 सीटों पर आगे है। इस पर जनता दल यूनाइटेड पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने खुशी जताई है। साथ ही उन्होंने इन परिणामों पर जल्दबाजी में कोई टिप्पणी करने से भी इनकार किया। उन्होंने कहा, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों के प्रारंभिक रुझान सामने आए हैं। चूंकि ये राज्य स्तरीय चुनाव हैं, इसलिए राज्य के स्थानीय मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इस संदर्भ में, जनता की मानसिकता और प्राथमिकताएं भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने आगे कहा, चुनाव परिणामों का जनादेश अभी स्पष्ट नहीं है, इसलिए भविष्य के राजनीतिक परिणामों पर तत्काल टिप्पणी करना उचित नहीं लगता। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता ने किस तरह के मुद्दों को प्राथमिकता दी है और ये चुनावी नतीजे किस दिशा में जाएंगे। बता दें कि राज्य में भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस हरियाणा में वापसी की भविष्यवाणी कर रही है।

## कांग्रेस पर फिर बरसे पीएम मोदी, हिंदुओं को बांटने का लगाया आरोप

# राज्य के इतिहास में इतनी तेजी से कभी नहीं हुआ विकास...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से महाराष्ट्र में 7600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र को 10 मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रही है। नामपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण और विस्तार का काम, शिरडी एयरपोर्ट के लिए एक टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण, आज इंफ्रस्ट्रक्चर से जुड़े इन दो अहम प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास भी हुआ है। मैं इन सभी विकास कार्यों के लिए महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के इतिहास में इतनी तेज गति से, इतने बड़े स्केल पर अलग-अलग क्षेत्रों में कभी भी

विकास नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। जब एक भाषा को उसका गौरव मिलता है, तब सिर्फ शब्द नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को नए बोल मिलते हैं। करोड़ों मराठी मानुष का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने जगह-जगह इसकी खुशी मनाई। आज महाराष्ट्र के गांव-गांव से मुझे खुशी के संदेश भी भेज रहे हैं। महाराष्ट्र के लोग अपने संदेशों में मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने के लिए मुझे धन्यवाद दे रहे हैं। लेकिन मैं बताना चाहता हूँ कि ये काम मैंने नहीं, आप सबके आशीर्वाद ने किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी कल ही हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम आए हैं। हरियाणा ने बता दिया



है कि देश का मिजाज क्या है। दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार चुनकर आना ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा परिणाम आए हैं। हरियाणा ने बता दिया

वोटबैंक को बांटना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भय का माहौल पैदा कर रही है। कांग्रेस लोगों का डर पालती है। कांग्रेस अपने वोट बैंक को खातिर देश का सांप्रदायिकरण कर रही है। मोदी ने कहा कि आज हरियाणा के दलित वर्ग ने बीजेपी को रिकॉर्ड समर्थन दिया है। हरियाणा के ओबीसी बीजेपी के विकास कार्यों को देखकर उसके साथ है। कांग्रेस ने किसानों को भड़काया। लेकिन किसानों को पता है कि उन्हें फसलों पर स्वेक किसने दी। हरियाणा के किसान बीजेपी की किसान कल्याण योजनाओं से खुश हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने युवाओं को टारगेट किया और अलग अलग तरीके से उन्हें भड़काने की कोशिश की।

## मोदी ने भारतीय कौशल संस्थान आईआईएस का किया उद्घाटन....

पीएम मोदी ने मुंबई में भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) का उद्घाटन भी किया। इसका मकसद अत्याधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ एक उद्योग कार्यबल बनाना है। भारत को 'विश्व की कौशल राजधानी' के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण के तहत भाजपा नीत एनडीए सरकार आईआईएस के जरिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करेगी। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) का भी उद्घाटन किया। इससे छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों की स्मार्ट उपस्थिति, स्वास्थय जैसे लाइव वेडवॉर के जरिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा तक पहुंच आसान होगी। यह स्कूलों की संसाधनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, अभिभावकों और राज्य के बीच संबंधों को मजबूत करने।

## हरियाणा में सरकार बनाने की तैयारी में जुटी बीजेपी

# 12 को सीएम पद की शपथ ले सकते हैं नायब सिंह सैनी

हरियाणा / एजेंसी

हरियाणा के भाजपा की जीत के बाद सरकार बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। दावा किया जा रहा है कि नायब सिंह सैनी एक बार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। नायब सिंह सैनी ने अपने निकटतम कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी मेवा सिंह के खिलाफ 16,054 वोटों के अंतर से लाडवा विधानसभा सीट जीती है। दावा किया जा रहा है कि 12 अक्टूबर को शपथ ले सकते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले, सैनी कुरुक्षेत्र से सांसद थे, यह संसदीय क्षेत्र लाडवा में पड़ता है। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में प्रचंड जीत के एक दिन बाद, राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से उनके



आवास पर मुलाकात की और उनके नेतृत्व के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जिसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हैट्रिक जीत में सक्षम बनाया। एनडीए पोल के पूर्वानुमानों को झुटलाते हुए राज्य में जीत हासिल की। सैनी ने कहा कि पीएम मोदी की नीतियों के कारण ही बीजेपी

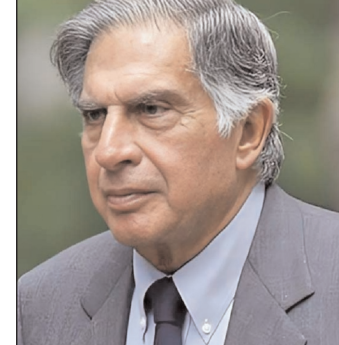
तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है। हमारी जीत का सबसे बड़ा कारण जमीनी स्तर पर लोगों को मिल रहा लाभ है। शपथ समारोह को लेकर उन्होंने कहा कि इसका फैसला संसदीय बोर्ड करेगा। राज्य में लोकसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन और कांग्रेस के क्लीन स्वीप के एनडीए पोल के अनुमानों को खारिज करने के बाद भाजपा का दांव सफल रहा और सैनी ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में पार्टी को जीत दिलाई। मार्च में सैनी को हरियाणा भाजपा अध्यक्ष से मुख्यमंत्री बनाया गया, जब पार्टी साढ़े नौ साल के खट्टर के कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही थी और किसानों के मुद्दों, बेरोजगारी, अग्नियुद्ध योजना, महंगाई और कानून व्यवस्थापर विपक्ष के हमलों का सामना कर रही थी।

## मुंबई के अस्पताल में भर्ती

# टाटा ग्रुप के मानद चेयरमैन रतन टाटा की हालत गंभीर

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के सबसे बड़े समूह टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा की तबीयत एक बार फिर गंभीर हो गई है। जानकारी के मुताबिक उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इससे दो दिन 7 अक्टूबर पहले भी उनके स्वास्थ्य बिगड़ने की सूचना समाचार चैनल में प्रसारित हुई थी। हालांकि इस मामले में उनके ऑफिशियल एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट के जरिए अपने स्वास्थ्य की जानकारी दी कि, वो स्वस्थ हैं। उन्होंने खुद इन दावों का खंडन किया और अपने आईसोचू में भर्ती होने के दावों को अपनाना करार दिया था। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- 'मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में



फैल रहीं अफवाहों से अवगत हूँ। मैं सभी को आश्चर्य करना चाहता हूँ कि ये दावे सेहत संबंधी जरूरी चिकित्सा जांच करवा रहा हूँ। चिंता का कोई बात नहीं है। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूँ। आपसे अनुरोध करता हूँ कि जनता और मीडिया

गलत सूचना फैलाने से बचें। रतन नवल टाटा, एक भारतीय व्यापारी, निवेशक, दानवीर और टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष हैं। वे टाटा समूह के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे भारत के दो सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण (2008) और पद्म भूषण (2000) से सम्मानित किए जा चुके हैं। वह प्रतिष्ठित कैथेड्रल और जॉन कानोन स्कूल, विश्व कॉन्टिन स्कूल (शिमला), कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड के पूर्व छात्र हैं। टाटा ने मार्च 1991 में टाटा संस के अध्यक्ष का पद संभाला था। और 28 दिसंबर 2012 को सेवानिवृत्त हुए। उनके कार्यकाल के दौरान टाटा समूह का राजस्व सेहत संबंधी जरूरी चिकित्सा 1991 में महज 10,000 करोड़ रुपये के कारोबार से बढ़कर 2011-12 में 100.09 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया।

## हरियाणा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों का दावा

# आप से ओवैसी तक, सभी ने चलाए कांग्रेस पर तीर कहा-अपने अहंकार की वजह से हरियाणा में हारे...



जीत जाएंगे। अगर उन्होंने समाजवादी पार्टी, आप या अन्य छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया होता तो नतीजा कुछ और होता। विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस की सहयोगी टीएमसी ने भी कांग्रेस को आलोचना की है। टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रवैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़े रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए। गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है। इस कड़ी में अगला नाम दिल्ली में सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी का है, एक दिन पहले अपने ट्वीट पर आप सांसद राघव चड्ढा ने सफाई देते हुए कहा, जब हरियाणा में इंडिया गठबंधन बनाने की जिम्मेदारी पार्टी ने मुझे दी थी, तब आप मुझसे सवाल पूछते थे और आप मुझसे कहता था कि हरियाणा में गठबंधन बनाने और मिलकर चुनाव लड़नी हरियाणा में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बनती। इस कड़ी में सबसे पहला नाम शिवसेना उद्धव गुट का है, बता दें कि शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राजन ने कहा कि विपक्षी गठबंधन हरियाणा में नहीं जीत पाया क्योंकि कांग्रेस को लगा कि वह अपने दम पर जीत सकते हैं और उन्हें सत्ता में किसी सहयोगी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता हुड्डा को लगा कि वे

हरियाणा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों का दावा आप से ओवैसी तक, सभी ने चलाए कांग्रेस पर तीर कहा-अपने अहंकार की वजह से हरियाणा में हारे...  
जित जाएंगे। अगर उन्होंने समाजवादी पार्टी, आप या अन्य छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया होता तो नतीजा कुछ और होता। विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस की सहयोगी टीएमसी ने भी कांग्रेस को आलोचना की है। टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रवैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़े रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए। गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है। इस कड़ी में अगला नाम दिल्ली में सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी का है, एक दिन पहले अपने ट्वीट पर आप सांसद राघव चड्ढा ने सफाई देते हुए कहा, जब हरियाणा में इंडिया गठबंधन बनाने की जिम्मेदारी पार्टी ने मुझे दी थी, तब आप मुझसे सवाल पूछते थे और आप मुझसे कहता था कि हरियाणा में गठबंधन बनाने और मिलकर चुनाव लड़नी हरियाणा में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बनती। इस कड़ी में सबसे पहला नाम शिवसेना उद्धव गुट का है, बता दें कि शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राजन ने कहा कि विपक्षी गठबंधन हरियाणा में नहीं जीत पाया क्योंकि कांग्रेस को लगा कि वह अपने दम पर जीत सकते हैं और उन्हें सत्ता में किसी सहयोगी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता हुड्डा को लगा कि वे



प्रिय शेरार धारक, मुझे आपकी कंपनी, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में आपको संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। हमने अपनी यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर प्राप्त कर लिया है। एनएसएल भारत के औद्योगिक कौशल का एक प्रमाण है, जो देश की इस्पात उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इस्पात मंत्रालय की एक नीतिगत पहल का प्रतिनिधित्व करता है। 12 अगस्त, 2023 को कंपनी ने स्टाफ्ट फर्नेस का अपना पहला ब्लो-इन किया और तीन दिनों के भीतर, 15 अगस्त, 2023 को हॉट मेटल का उत्पादन किया। एनएसएल स्टील लिमिटेड ने हॉट मेटल के उत्पादन के केवल 9 दिन बाद ही 24 अगस्त, 2023 को अपने अंतिम उत्पाद-एचआर कोइल का उत्पादन किया। आगे की विकास यात्रा में, एनएसएल ने 226 दिनों के रिफॉर्ड समय में कुल मिलाकर एक मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन की उपलब्धि हासिल की। इस महत्वपूर्ण घटना को अब एक वर्ष हो गया है और मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 21 जुलाई, 2024 तक एनएसएल ने अपने स्टाफ्ट फर्नेस से 1.5 मिलियन टन हॉट मेटल का उत्पादन किया है। संयंत्र ने 11 अगस्त, 2024 को 1 मिलियन टन तरल इस्पात उत्पादन को पार कर लिया और 20 अगस्त, 2024 को एनएसएल ने कमीशनिंग के एक वर्ष के भीतर 1 मिलियन टन एचआर कोइल उत्पादन की उपलब्धि हासिल कर ली है। संयंत्र ने 15 अगस्त, 2024 को 40 हीट, 6967 टन तरल इस्पात और 6519 टन एचआर कोइल का उत्पादन दर्ज किया, जो एनएसएल में एक दिन में अबतक का सबसे अधिक उत्पादन है। पिछले एक साल में, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने उत्पादन बढ़ाने और संचालन को स्थिर करने में लगातार प्रगति की है। इस्पात संयंत्र की डिजाइन में पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और संसाधन उपयोग को अपेक्षाकृत करने के लिए निरंतर कार्टिंग, प्लव्वाइज्ड कोल इंजेक्शन, कोक ड्राई क्वेंचिंग और टॉप रिक्वैरी टर्बाइन जैसी उर्जा-कुशल तकनीकों को एकत्रीकृत किया गया है। सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शून्य तरल निर्वहन प्रणाली, पुनर्चक्रण पहाल और अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्ग्रहण विकल्पों को अपनाने में प्रतिबद्धित होती है। अपनी प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने, दस्ताना बढ़ाने और उच्च सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करके, हमने उत्पादन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, नए मानक स्थापित किए हैं और अपने प्रारंभिक लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले प्राप्त किया है।



## एनएसएल 9वीं एजीएम - अध्यक्ष संदेश

# इस्पाती शक्ति से संचालित

वित्तीय एवं भौतिक प्रदर्शन  
वित्तीय वर्ष 2023-24 में एनएसएल ने भौतिक उत्पादन के मामले में प्रभावशाली उपलब्धियां प्राप्त कीं। यह देखते हुए कि एनएसएल ने 31 अगस्त, 2023 को वाणिज्यिक परिचालन प्रारम्भ किया था, कंपनी ने 7 महीनों की अवधि के भीतर 4.94 लाख टन हॉट रोल्ड कोइल का उत्पादन हासिल किया। हॉट रोल्ड कोइल की वित्तीय प्रभावशाली रूप से 3.52 लाख टन दर्ज की गई, जिससे कंपनी को कुल 3,049 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी को रु. 2,201 करोड़ रुपये की हानि हुई और कंपनी ने रु. 1,226 करोड़ का पूंजीगत व्यय किया। एनएसएल ने अगस्त 2024 में एक महीने में सबसे अधिक उत्पादन दर्ज किया जिसमें हॉट मेटल का उत्पादन -1.70 लाख टन, तरल इस्पात-1.30 लाख टन और एचआर कोइल-1.25 लाख टन रहा। हमने 24 मई, 2024 को पी. सी. आई. का संचालन सफलतापूर्वक शुरू किया है और पहली बार एलपीजी गैस स्टील शीट का उत्पादन किया है, जो विशेष इस्पात उत्पादों के बाजार में हमारे प्रवेश की शुरुवात है। हमने आईएम से ऑर्डर लेना शुरू कर दिया है और विशेष इस्पात के अनुकूलित ग्रेड विकसित कर रहे हैं, जिसमें उच्च शक्ति, कम अलॉय धातु वाला इस्पात शामिल है, जिसका हमारे ग्राहकों द्वारा स्वागत किया गया है। एनएसएल ब्रेक-इवने की दहलीज पर है। वर्तमान में, हम लगभग 1.25 लाख टन एचआर कोइल का उत्पादन कर रहे हैं, जो मासिक आधार पर हमारे ब्रेक-इवने स्तर से थोड़ा कम है। आगे हम लगातार अपने उत्पादन को बढ़ाते हुए 2.1 लाख

एक मजबूत नींव का निर्माण  
जब हम पिछले वर्ष पर विचार करते हैं, यह स्पष्ट है कि एक इस्पात संयंत्र को कमीशन करना और संचालित करना चुनौतीपूर्ण और लाभप्रद दोनों ही है। प्राप्त अनुभवों और सबक ने हमारी निरंतर सफलता के लिए एक मजबूत नींव स्थापित की है। अब हमारा ध्यान इन अंतर्दृष्टि का लाभ उठाने पर होगा ताकि भविष्य में और सुधार किए जा सकें, परिचालन दक्षता बढ़ाई जा सके और उच्च सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखा जा सके।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस  
एनएमडीसी स्टील लिमिटेड कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सर्वोच्च मानकों का पालन करता है, जिसका उद्देश्य शेरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, लेनदारों, भारत सरकार, राज्य सरकारों, सरकारी एजेंसियों/विभागों और बड़े पैमाने पर समाज सहित सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्यों का सुनिश्चन करना है। कंपनी अपने व्यवसाय को नैतिकता और जिम्मेदारी से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो जवाबदेही, पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रभावी हितधारक प्रबंधन के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है।

भविष्य की ओर-मतत विकास की राह पर  
जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम परिचालन उत्कृष्टता, रणनीतिक विकास और स्थिरता पर जोर देते रहेंगे। प्रबंधन निरंतर सुधार, नवाचार और सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनएसएल के लिए भविष्य की योजना तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम पर्यावरण और अपने सेवा क्षेत्र के समुदायों के प्रति जिम्मेदार रहते हुए दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। अंत में, मैं अपनी समर्पित टीम, मेकानों और औद्योगिकी भागीदारों, शेरधारकों, बैंकों, ऋणदाताओं, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों को एनएमडीसी स्टील लिमिटेड में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहूँगा। मैं इस्पात मंत्रालय, वन, पर्यावरण और जनवायु परिवर्तन मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य विभागों और छत्रीसंगठन राज्य सरकार से प्राप्त सहायता, सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। इस रोमांचक यात्रा पर आगे बढ़ते हुए, मुझे विश्वास है कि कंपनी निरंतर मजबूत होगी और नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी। जय हिंद, अमिताभ मुखर्जी सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) एनएमडीसी स्टील लिमिटेड  
27 सितंबर, 2024 को आयोजित एनएसएल की 9वीं एजीएम में सीएमडी के भाषण के अंश।



## संक्षिप्त समाचार

**मोदी की गारंटी का करिश्मा है हरियाणा के परिणाम, कश्मीर के लोगों ने भी मुहर लगाई : परवेज अहमद**



**राजनांदगांव (समय दर्शन)**। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के नतीजों को भाजपा नेता व प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा पूर्व उपाध्यक्ष परवेज अहमद ने मोदी की

गारंटी का करिश्मा बताया है। उन्होंने कहा कि, सारे पूर्वानुमान धराशायी हो गए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को सभी ने दिल खोलकर स्वीकार किया है। परवेज ने कहा कि, हरियाणा में भाजपा जहां 49 सीटों के साथ तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है तो वहीं जम्मू-कश्मीर में भाजपा के हिस्से 29 सीटें आई हैं, जिसके साथ हम वहां एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में होंगे। कश्मीर के परिणामों ने साबित किया है कि उग्रवाद के खाल्टे, धारा 370 को निष्प्रभावी किए जाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के फैसले का घाटी में स्वागत हुआ है। इन निर्णयों के खिलाफ जहर उगलने वाली कांग्रेस मटियामेट हो गई है। 08 अक्टूबर को हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनावी नतीजे सामने आए हैं। इस पर भाजपा नेता परवेज ने केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन को बधाई प्रेषित की है। उन्होंने कहा कि, भाजपा पूर्वानुमानों से भी आगे की सोच रखती है। देशहित सर्वोपरि है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कर्मयोग से इसे सबसे पहली प्राथमिकता देते हुए अपने संकल्प को सिद्ध किया है, उनके ही नेतृत्व में आज देश की सफलता का डिब्बोरा पूरे विश्व में गूंज रहा है। मोदी आज विश्व के सबसे अधिक लोकप्रिय नेता हैं। देश की आवाम ने उन्हें यह मौका बार-बार दिया है। उन्होंने कहा कि, इन चुनावों के नतीजों ने देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार किया है। इससे पहले छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा की बड़ी जीत और अब ये परिणाम आने वाले महीनों में अन्य राज्यों के चुनावी परिणाम का रुख तय करने वाले हैं। विपक्ष इस मुगालते में न रहे किए जनहित के मामलों पर अडुंगा डालने के बाद भी वे सफल हो सकते हैं। जनता ने उन्हें सीख दी है।

**मां शिरीष पाठ मंदिर भर्त्ता का मेला, सुबह से देर शाम तक रही भीड़ लोट मारते पहुंचे श्रद्धालु**

**जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)**। मां शिरीष पाठ मंदिर डोंगाकोहरीद में आज सुबह से ही भर्त्ता का मेला रहा जो देर शाम तक चलती रही। दूसरी तरफभर सुबह से ही भक्त जन अपने अपने जगहों से लोट मारते मारते माता के दरबार में पहुंचते रहे। यहां बताया लाजमी होगा कि पामगढ़ के समीप स्थित डोंगाकोहरीद की शिरीष पाठ मंदिर की ख्याति प्राचीन काल से ही चला आ रहा है, जहां उसके मानने वाले पहले शिरीष पेड़ को ही माता रूप मानकर पूजा अर्चना और काली पीता चूड़ी बांधकर मन्नत मांगते थे। आज वहां मंदिर का निर्माण हो जाने के बाद नवरात्र की दोनों पर्वों में गांव के नवजागरण शिरीष कल्याण सेवा समिति द्वारा मनोकामना ज्योत के साथ ज्वारा ज्योत जलाए जाते हैं, जहां माता पर आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी संख्या ज्योत जलवाए जाते हैं। इस वर्ष की क्रां नवरात्र में माता दुर्गा की बड़ी प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही क्रां नवरात्र प्रारंभ हुआ है और दो सौ सैतालीस भक्तों द्वारा ज्योत जलवाए गए हैं। आज वहां सप्ती मनाया गया जिससे सुबह से स्थानीय ग्रामीण महिला पुरुषों के साथ आसपास व दूरदराज से आस्था रखने वालों का सिलसिला प्रारंभ हो गया था जिससे मंदिर मार्ग सहित मंदिर परिसर में भीड़ भरी मेला का दृश्य उपस्थित हो गया था, जो रात तक जारी रहा। वहीं माता की कृपा प्राप्त करने के लिए सैकड़ों भक्त लोट मारते हुए मंदिर तक पहुंचे और पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किए। आज की व्यवस्था में समिति के संरक्षक राधेश्याम कश्यप, धनीराम कश्यप, अध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय, बरसन कश्यप, धनेंद्र कौशिक, छोटेलाल साहु, कलेश्वर पटेल, माखन कश्यप, सचिव जोहन पटवा, कोषाध्यक्ष रामकृष्ण कश्यप, मंदिर पुजारी हरिलाल धीवर सहित ज्योत सेवक जुगनू पटेल, संजु साहु, राजकुमार कश्यप, महेंद्र साहु, इंद्र कश्यप, उषेंद्र कश्यप, छोटन, अर्जुन, बबला सहित अन्य मौजूद रहे।

**निधन : पुष्पलता ताम्रकार**



दुर्गा। तमेरपारा निवासी रिटायर्ड प्रधान पाठिका पुष्पलता ताम्रकार (बिट्टो बहनजी) 82 वर्ष का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे योगेश, अनु, अंजु की माताजी और राहुल, अतुल, आशुतोष ताम्रकार की बुआजी थीं।

## कलेक्टर के मार्गदर्शन में युवाओं के लिए एक नई पहल

**दत्तेवाड़ा (समय दर्शन)**। जिले में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में एक नई पहल शुरू की गई है, जिसमें स्थानीय योग्य उम्मीदवारों को स्वास्थ्य विभाग में भर्ती करने का अवसर दिया जा रहा है। यह भर्ती प्रक्रिया 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2024 तक चलेगी, जिसमें जिला खनिज न्यास निधि (रेत) से विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी।

इस भर्ती में निम्नलिखित पदों के लिए स्थानीय उम्मीदवारों को सुनहरा अवसर प्रदान करा है: लेब टेक्नीशियन, श्रष्ट

टेक्नीशियन, CT स्कैन टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, X-Ray टेक्नीशियन, PSA टेक्नीशियन, CSRM टेक्नीशियन, OT अटेंडर, RHO (मेल, फ़ेमेल)

, डाटा ऑपरेंटर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, वार्ड बॉय-ग्रेस-इलेक्ट्रीशियन

**चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता-** इस बार की भर्ती प्रक्रिया में विशेष ध्यान दिया गया है कि स्थानीय इच्छुक उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला मुख



चिकित्सा अधिकारी, डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि यह चयन प्रक्रिया ग्राम पंचायत स्तर पर की जाएगी। यदि किसी ग्राम पंचायत से

कोई उम्मीदवार नहीं मिल पाता है, तो जिले के अन्य स्थानीय उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

**रोजगार के नए अवसर-** यह पहल न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को संख्या को भी बढ़ाएगी। जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने कहा कि इस प्रक्रिया के जरिए हम स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में सेवा करने का मौका देना चाहते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार

होगा। उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं साथ ही चयन प्रक्रिया को पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय निगरानी की जाएगी, ताकि सभी उम्मीदवारों को निष्पक्षता के साथ चुना जा सके।

यह पहल दत्तेवाड़ा जिले के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल स्थानीय बेरोजगारी को कम करने में सहायक होगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी उच्छ्रिता लाने का प्रयास करेगी।

## रेत का अवैध परिवहन करते 5 ट्रैक्टर जब्त

**गेंददास मानिकपुरी (सिटी रिपोर्टर)/ महासमुद्र (समय दर्शन)**। ग्राम कनेकरा व भलेसर में रेत के अवैध परिवहन को शिकायत पर सोमवार को खनिज विभाग ने कार्रवाई करते हुए 5 ट्रैक्टरों को जब्त कर सिटी कोतवाली के सुपुर्द किया। विभाग ने रेत भंडारण में छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियम 2009 के उल्लंघन पर स्वीकृत 3 भंडारण अनुज्ञप्ति को निरस्त करते हुए उक्त तीनों अनुज्ञप्ति की प्रतिभूति राशि 50 हजार कुल 1.50 लाख रुपए को राजसात किया। इसके अतिरिक्त खनिज



विभाग ने स्वीकृत भंडारण अनुज्ञप्ति भण्डार नियमों के उल्लंघन पर 6 अनुज्ञप्तिधारियों को क्रमशः 99500 रुपए, 95000 रुपए, 59500 रुपए और 50500 रुपए की शक्ति आरोपित करते हुए कुल 4.13 लाख रुपए जमा कराए।

## भारतीय जनता युवा मोर्चा सदस्यता रथ यात्रा का दूसरा दिन



**अधिकतम पंडालों में हुआ सदस्यता**

**जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)**। भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिला स्तरीय रथ यात्रा निकाला गया है। द्वितीय दिवस भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सदस्यता करवाने निकले, जिसमें कार्यकर्ताओं का दुर्गा पंडालों में भी जाना हुआ, सभी दुर्गा पंडालों में भक्तजनों एवं दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों के द्वारा अधिकतम सदस्यता करवाया गया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश

जायसवाल ने बताया कि सदस्यता करते-करते जब रथ यात्रा विभिन्न पंडालों में पहुंची तो भक्त जनों एवं दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों के द्वारा बैठाकर सभी रथ यात्रा के आगंतुकों को प्रसाद एवं भंडारा में भोजन कराया, उसके साथ ही सभी पंडालों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सदस्यता ग्रहण किया।

रथ यात्रा के द्वितीय दिवस अकलतरा विधानसभा के नरियरा मंडल में भाजपा मंडल अध्यक्ष विष्णु कश्यप एवं युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुमित सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के द्वारा रथ यात्रा का भव्य स्वागत करते विभिन्न पंडालों में

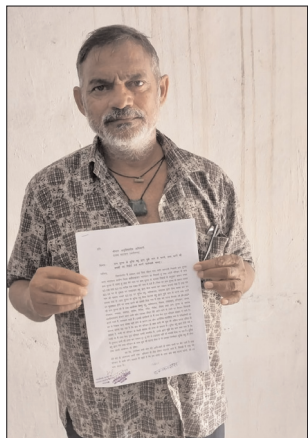
सदस्यता कराया गया। इसके पश्चात अकलतरा मंडल में पहुंचते ही अकलतरा मंडल भाजपा के अध्यक्ष कमल केडिया एवं युवा मोर्चा के अध्यक्ष पिंटू बरेठे नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शोमिती भारती के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत करते हुए रेलवे स्टेशन अकलतरा, मिनीमाता चौक अकलतरा में आम जनों का सदस्यता कराया। इसके पश्चात जब रथ यात्रा पहरिया मंडल पहुंची तो माता अन्नार्थी माता के द्वारा के पास युवा मोर्चा पहरिया मंडल के अध्यक्ष राकेश देवांगन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आमजनों का श्रद्धालुओं का सदस्यता कराया गया।

## राजस्व विभाग के चक्रव्यूह में फसा छकन दास, मिल रही जान से मारने की धमकी

**एसडीएम भाटापारा से लगाई न्याय की गुहार**

**भाटापारा (समय दर्शन)**। राजस्व विभाग के तहसीलदार पटवारी की गलतियों का भुगतान हो रहा है। ग्राम तुर्मा निवासी छकन दास अपने ही निजी जमीन को पाने के लिए बरसों से संघर्ष कर रहा है लेकिन कछुआ चाल वाली सिस्टम के आगे उसे विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। छकन दास के राजस्व सम्बंधित समस्याओं से जिला कलेक्टर सहित समस्त राजस्व अधिकारी अवगत हैं किन्तु भ्रष्ट सिस्टम उसे न्याय नहीं दे पा रहा है। अब बात यहाँ तक बन आयी है की उनके ही जमीन पर जबबरदस्ती काबिज अन्य लोगों के द्वारा उन्हें जान से मारने की धमकी दिया जा रहा है। धमकी संबंधी मामले को लेकर उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी भाटापारा के समक्ष लिखित आवेदन सौंपते हुए अपनी बात रखी तथा न्याय की गुहार लगाई है। अपने आवेदन में उन्हें बताया की मैं छकन दास पिता मोहन दास जाति सतनमी निवासी

ग्राम तुर्मा थाना भाटापारा ग्रामीण जिला बलौदाबाजार भाटापारा का निवासी हूँ तथा अपने परिवार के साथ ग्राम तुर्मा में रहता हूँ तथा मेरे नाम पर ग्राम तुर्मा के राजस्व रिकार्ड के अनुसार खसरा नम्बर 62/18 तथा 62/21 करीब एक एकड़ मेरे नाम से दर्ज है। जिस पर ग्राम तुर्मा के खसरा नम्बर 62/18 पर के टुकड़ा पर रामप्रसाद यदु द्वारा बेजा कब्जा कर मकान बनाया गया है तथा मेरे नाम की खसरा नम्बर 62/21 पर सुरेश यदु, मालिकराम, गंगाराम द्वारा बेजा कब्जा कर घर बनाया गया है। ग्राम तुर्मा के सुरेश यदु पिता बेदराम यदु द्वारा मुझे जान से मारने तथा रास्ते पर मुलाकात होने पर हत्या करने की धमकी दिया गया है तथा यह घटना दिनांक 24.09.2024 की घटना तुर्मा की है तथा साथीगण विष्णु यदु, मालिकराम, गोपाल, रामप्रसाद, हरिशंकर, अजय, गंगाराम, गणपत, सनपत, संतोष, दिनेश, रमेश, रितेश, दीपक तथा ग्राम तुर्मा के सरपंच



लक्ष्मीनारायण बंजारे द्वारा सभी लोग एकमत होकर मेरे आने-जाने के रास्ते पर बैठकर निगरानी करते रहते हैं, धमकाते रहते हैं। इनकी धमकियों से मैं तथा मेरा पूरा परिवार दहशत में रहते हैं। घर से निकल पाना संभव नहीं होने के कारण हम लोग शारीरिक-मानसिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कि कब मेरे परिवार के साथ कभी भी कुछ भी अप्रिय घटना घटित हो सकता

है, कभी भी परिवार के किसी सदस्य की हत्या हो सकता है। सुरेश यदु द्वारा दिये गये धमकी से मैं तथा मेरा पूरा परिवार काफी भयभीत है, उनके द्वारा मुझे यह बात कहा गया है कि मैं तुम्हारा कभी भी हत्या कर सकता हूँ। तू मेरे से टकराना नहीं की धमकी दिया जा रहा है। सुरेश यदु द्वारा मेरे तथा परिवार के साथ कुछ भी घटना होता है तो उसका जिम्मेदार सुरेश यदु ही होगा तथा उसके साथीगण भी होगा। यह कि, उपरोक्त सभी लोग मेरे आने-जाने के समय रास्ते पर बैठे रहते हैं तथा मेरे घर के आसपास लाठी डंडा हथियार से लेश होकर मंडराते रहते हैं, जिससे मैं तथा मेरे परिवार के सभी लोग दहशत में रहते हैं कि हम लोगों के उपर कब क्या घटना घटेगी, की डर बना रहता है। उन्होंने निवेदन किया कि ग्राम तुर्मा के सुरेश यदु के द्वारा मेरे हत्या करने की धमकी तथा उनके साथीगण विष्णु यदु, मालिकराम, गोपाल, रामप्रसाद, हरिशंकर,

अजय, गंगाराम, गणपत, सनपत, संतोष, दिनेश, रमेश, रितेश, दीपक तथा ग्राम के सरपंच लक्ष्मीनारायण बंजारे द्वारा दिये गये धमकी से मैं तथा मेरा पूरा परिवार काफी भयभीत है तथा मानसिक-शारीरिक रूप से काफी सहमे हुए हैं कि मेरा हत्या कभी किया जा सकता है तथा उनके साथियों द्वारा मेरे घर के पास तथा रास्ते पर बैठे रहने से मैं तथा मेरे परिवार के ऊपर कभी अप्रिय घटना घटित होता है, के जिम्मेदार उपरोक्त लोग होंगे। सो कार्यवाही करने की कृपा करने हेतु जिलाधीश पुलिस अधीक्षक तथा बोते दिवस में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भाटापारा तथा थाना प्रभारी ग्रामीण भाटापारा को भी आवेदन दिए जिस पर आज सभी संबंधित लोगों का बयान थाने पर हो रहा है। छकन दास मनहरे ने यह भी बताया कि उनके कई निजि जमीन का भी खसरे में छेड़छाड़ हुआ है जिसके कारण अभी रिकार्ड सही नहीं है और इस हेतु आज अनुविभागीय

अधिकारी भाटापारा तथा तहसीलदार भाटापारा को रिकार्ड की पूरी खसरा नंबर का जिक्र करते हुए आवेदन दिए जिसमें उन्होंने समय रहते प्रकरण का निराकरण करने के लिए भी बात कही। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या जिलाधीश के निर्देश जिस प्रकार से राजस्व विभाग में त्वरित कार्यवाही के लिए होते हैं वह तत्परता से होता है और क्या निजी जमीन कब्जा कर रहे लोग को राजस्व विभाग किस तरह से कार्यवाही की प्रक्रिया में लाते हैं। खबर अभी बाकी है वह अगले अंक में राजस्व विभाग का बयान लेकर के खबर पुनः प्रकाशित करेगी।

छकन दास मनहरे के पूरे प्रकरण को मैं एक बार नए सिरे से जांच करवा लेता हूँ

**नितिन तिवारी अनुविभागीय अधिकारी भाटापारा**



## सार समाचार

## तीन अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। डीडीनगर और विधानसभा थाना पुलिस के टीम ने अवैध शराब बेचते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 65 पाव देशी शराब और बिक्री रकम 590 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार डीडीनगर पुलिस के टीम ने आरोपी दीपक नौरो 20 वर्ष व 5 पंचमार वमा 45 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से कुल 49 पाव देशी शराब और बिक्री रकम 260 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने इन तीनों के खिलाफ आवकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

## वाहन की टक्कर एक अर्धे की मौत

रायपुर (समय दर्शन)। नहर पुलिस सक्ती विधानसभा में अज्ञात वाहन की टक्कर से सारकिल सवार अर्धे की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक नेताराम धीवर 52 ग्राम तुलसी बारांडेरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी सारकिल से कहीं जा रहा था, तभी ग्राम सक्ती के नहर पुलिस के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौत पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

## आप के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

रायपुर (समय दर्शन)। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ की रिवार की प्रदेश के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक रबी गयी बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, लोकसभा अध्यक्ष, लोकसभा सचिव एवं जिला अध्यक्ष (शहर एवं ग्रामीण) शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू जी ने सभी साथियों को बधाई दी और पार्टी के संगठन किया मजबूती के लिए सभी को प्रयास करने कहा। उन्होंने कहा कि पहले हमारी सारी इकाइयां भागी थी, अब नई नियुक्तियां हुई हैं, प्रदेश में सभी नगरीय निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव पूरी ताल से चुनाव लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी जता के सामने पुरे विश्वास के साथ जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस आम आदमी पार्टी को प्रदेश में अब हल्के में ना ले अब हम मजबूती से टक्कर देंगे।

## गरीबों के आवास का सपना हो रहा साकार : खाद्य मंत्री दयालदास बघेल

## पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को मकान की चाबी सौंपी

## गरियाबंद में 42 हजार से अधिक आवास पूर्ण, प्रतिक्षा सूची के परिवारों को भी मिलेगा आवास

## गरियाबंद में जिला स्तरीय आवास मेला समारोह

रायपुर (समय दर्शन)। खाद्य मंत्री एवं गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल आज जिले में गांधी मैदान स्थित मंगल भवन में आयोजित जिला स्तरीय आवास मेला कार्यक्रम में शामिल हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना से आज गरीबों के स्वयं का आवास का

## तक्षशिला लाइब्रेरी में बच्चों के साथ बैठकर फ़ा-चटनी का लिया स्वाद

## लाइब्रेरी, बीपीओ और इनक्यूबेशन सेंटर में युवाओं के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री

## रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्यों का निरीक्षण किया। वे रायपुर के घड़ी चौक के पास मल्टी-लेवल पार्किंग में संचालित बीपीओ, मोतीबाग के पास तक्षशिला स्मार्ट रीडिंग जेन और जयस्तंभ चौक के पास मल्टी-लेवल पार्किंग में संचालित इनक्यूबेशन सेंटर 'आरंभ' में युवाओं के बीच पहुंचे और उनकी पढ़ाई-लिखाई, प्रशिक्षण एवं कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने ट्रेनिंग नियंत्रण और सर्विलेंस के लिए स्थापित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमान्ड सेंटर (ड्युप्लेक्स) तथा भाटागांव बस स्टैंड में विकसित किए जा रहे को-वर्किंग प्लेस का भी निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने घड़ी चौक के पास मल्टी-लेवल पार्किंग में



संचालित बीपीओ के भ्रमण के दौरान यहां काम कर रहे तथा प्रशिक्षण ले रहे युवाओं से मुलाकात की और उनके कार्यों के बारे में जाना। उन्होंने युवाओं से चर्चा कर बीपीओ में उनके कार्यानुभव और करियर के बारे में पूछा। उन्होंने यहां हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए संचालित कोचिंग-क्लास का भी अवलोकन किया। उन्होंने सूचना

प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह और कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह की मौजूदगी में दस युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तक्षशिला स्मार्ट रीडिंग जेन और लाइब्रेरी का भ्रमण कर यहां विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने यहां पढ़ने आए बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई, परीक्षाओं की तैयारी और लाइब्रेरी में मिल रही सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने लाइब्रेरी में संस्कृत स्वसहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन में बच्चों के साथ बैठकर फ़ा-चटनी, सैंडविच और कुल्हड़ में चाय का स्वाद भी लिया। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से उनकी पारिवारिक प्रश्नभूमि, रूचियों, करियर और भविष्य की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को अपनी शुभकामनाएं दीं। साव ने जयस्तंभ चौक के पास मल्टी-लेवल पार्किंग में संचालित इनक्यूबेशन सेंटर 'आरंभ' का भी अवलोकन किया। वे यहां ई-कॉमर्स, स्टार्ट-अप और ई-मार्केटिंग का प्रशिक्षण ले रहे युवाओं से मिले और उनसे चर्चा कर प्रशिक्षण एवं उनके कार्यों की जानकारी ली।

## हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा पर जताया विश्वास: किरण देव

## छत्तीसगढ़ भाजपा ने मनाया हरियाणा की जीत का जश्न

रायपुर (समय दर्शन)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत और लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी पर राजधानी में भाजपा नेताओं ने जबर्दस्त जश्न मनाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर और एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर, ढोल-नागाड़ों की थाप पर नृत्य और जयघोष करके जश्न जुलूस निकाला। भाजपा नेताओं ने जम्प-कश्मीर



में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन को भाजपा के प्रति बढ़ते जन विश्वास का परिचायक बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने हरियाणा के चुनाव नतीजों पर प्रसन्नता व्यक्त करते

हुए कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा की जनता-जनार्दन ने भाजपा के प्रति अपना अगाध विश्वास व्यक्त किया है। एक्जिट पोल को लेकर अति उत्साही कांग्रेसियों को हरियाणा के एक्जिट पोल ने आईना दिखा दिया है। इन नतीजों के जरिए हरियाणा ने कांग्रेस के संविधान और आरक्षण को लेकर दोहरे राजनीतिक चरित्र पर सीधी चोट की है। देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है, विश्व-पटल पर अपनी प्रखर भूमिका का निर्वहन करते हुए 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हरियाणा के ये चुनाव नतीजे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है।

## वाँकी-टॉकी से पकड़े जायंगे बिना टिकट यात्री

रायपुर (समय दर्शन)। ट्रेन में बिना टिकट लिए सफर करने वाले यदि टिटीई को देखकर दूसरे दरवाजे से भागने की कोशिश करेंगे, तो अब टिटीई अपने साथी को उसका हुलिया तुरंत बता देंगे। इसके लिए 100 टिटीई स्टॉफ को वाँकी-टॉकी दिया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने यात्री सेवा को और बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। ट्रेनों के टिकट जांच कर्मचारियों, टिटीई को वाँकी-टॉकी दिया गया है। यह कदम उठाया गया है। वाँकी-टॉकी उपकरणों की मदद से टिटीई आपातकालीन स्थिति में तुरंत संपर्क कर सकेंगे, जिससे त्वरित सहायता और बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा। इससे आएगी और वेंटींग टिकट क्लियर करने में भी मदद मिलेगी।

अन्य कोच में बिठाए गए यात्रियों को उनकी आरक्षित सीटों पर बिठाने में सुविधा होगी। यात्री सेवा तथा सुविधा को और बेहतर बनाने, आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अभिनव पहल के तहत ट्रेनों के टिटीई, कर्मचारियों को वाँकी-टॉकी उपकरण प्रदान किए गए हैं। इस उपकरण की सहायता से भनवारटंक घाट सेक्शन व दसोप-जामगा जैसे नेटवर्क विहीन सेक्शन में आपातकालीन स्थिति में टिटीई कर्मचारी आपसी समन्वय स्थापित कर जरूरतमंद यात्रियों को बेहतर सहायता पहुंचा पा रहे हैं। इसके साथ ही ट्रेनों के अन्य कोच में कार्यरत सहयोगी टिटीई स्टाफ आपसी समन्वय स्थापित कर आएगी, वेंटींग टिकट क्लियर करने तथा अन्य कोच में बैठे यात्रियों को उनके आरक्षित कोच व सीट में बैठाने जैसी बेहतर

सुविधाएं भी सुनिश्चित कर रहे हैं। स्टेशन में मौजूद स्पेशल टीम से सीधे संपर्क स्थापित कर जरूरतमंद यात्रियों को भी हस्तसंभव सहायता पहुंचाई जा रही। बिलासपुर-नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत ट्रेन के सभी टिकट जांच स्टाफ को वाँकी-टॉकी उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इसका उद्देश्य संचालन में सुधार लाना और यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करना है। वाँकी-टॉकी के माध्यम से टिकट जांच स्टाफ एक-दूसरे से तुरंत संपर्क कर सकेंगे, जिससे किसी भी आपात स्थिति में या टिकट जांच के दौरान त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि वाँकी-टॉकी के उपयोग से ट्रेन स्टाफ के बीच संचार तंत्र में उल्लेखनीय सुधार होगा। वंदे भारत एक्सप्रेस उच्च गति और उन्नत सुविधाओं के लिए जानी जाती है।

## पुलिस ने 9 करोड़ की चांदी किया जख्त

रायपुर (समय दर्शन)। त्योहारी सीजन से पहले राजधानी रायपुर में बड़ी तस्करी का खुलासा हुआ है। मोदहापारा थाना क्षेत्र में पुलिस की रूटीन चेकिंग के दौरान चांदी की तस्करी का भंडाफेड़ हुआ। मोदहापारा थाना क्षेत्र में पुलिस रूटीन चेकिंग कर रही थी, तभी एक अशोक ले-लैंड वाहन को तलाशी के लिए रोका गया। पुलिस ने वाहन के कार्टून खोले तो वे देखकर हैरान रह गए, क्योंकि इनमें चांदी की सिंथियां भरी हुई थीं। वाहन में सवार युवक सती कुमार सिंह चांदी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका, जिसके बाद पुलिस ने सभी 51 कार्टूनों को अपने कब्जे में ले लिया। चेकिंग के दौरान इतनी बड़ी मात्रा में चांदी मिलने के बाद पुलिस ने इसकी सूचना जीएसटी विभाग को दी। जीएसटी की टीम ने मौके पर पहुंचकर 928 किलोग्राम वजन की चांदी को जब्त कर लिया। जब चांदी की कोमत करीब 9 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जीएसटी टीम अब मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में चांदी कहाँ से लाई जा रही थी और इसका असली मालिक कौन है। त्योहारों के सीजन में रायपुर में हुई इस बड़ी कार्रवाई से तस्करी में हड़कंप मच गया है।

## सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी कल्पना दास का भूटान पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया



## एयरटेल के एआई-पावर्ड नेटवर्क के साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने स्पैम कॉल और एसएमएस को हमेशा के लिए अलविदा

इंदौर: भारती एयरटेल ने अपनी एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सिस्टम के जरिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपने ग्राहकों को बड़ी राहत प्रदान की है। इस अत्याधुनिक तकनीक लॉन्च के पहले 12 दिनों में ही, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर ने अपनी इस नई सेवा से दोनों राज्यों में 5 करोड़ 70 लाख संभावित स्पैम कॉल और 13 लाख स्पैम एसएमएस को पहचान करने में सफलता हासिल की है। यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त है और अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी एयरटेल के ग्राहकों के लिए इसे अपने आप एक्टिवेट कर दिया गया है। इसके लिए उन्हें न तो कोई अनुरोध करना पड़ा और न ही कोई एप डाउनलोड करने की जरूरत पड़ी लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, भारती एयरटेल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रितेश अग्रवाल ने कहा, आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में, हमारे ग्राहक घोटालों और दुर्भावनापूर्ण संदेशों के खतरे का सामना कर रहे हैं, इसके चलते अधिकतर ग्राहक असुरक्षित और इन खतरों से बचाव के तरीकों को लेकर चिंतित रहते हैं। आज, एयरटेल अपने अनूठे एआई-संचालित सुविधा की शुरुआत करने के साथ इस गंभीर समस्या का सामना करने के लिए तैयार है। दुर्भावनापूर्ण कॉल और स्पैम को सक्रिय पहचान के माध्यम से, इस अनूठी नई तकनीक ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एयरटेल के 1 करोड़ 60 लाख ग्राहकों को डिजिटल वातावरण में आत्मविश्वास के साथ नेविगेट करने के लिए सशक्त बनाया है।

## मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने लज्जरी बिजनेस लिमिज़न में नए मानक स्थापित करते हुए नई ई क्लास एलडब्ल्यूबी के लॉन्च के साथ सेगमेंट को नई परिभाषा दी

पुणे: भारत की सबसे डिजायरेबल लज्जरी कार निर्माता कंपनी, मर्सिडीज-बेंज ने आज देश की सबसे पसंदीदा एक्जिक्यूटिव बिजनेस सलून, ऑल-न्यू लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास का लॉन्च किया और साथ ही मर्सिडीज-बेंज भारत में अपने इतिहास की सबसे अच्छी क्यू 3 सेल और सर्वाधिक जनवरी-सितंबर ईयर तो डेट सेल दर्ज की। नई लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास ने मर्सिडीज-बेंज के सेडान पोर्टफोलियो को और ज्यादा मजबूत किया है। यह भारतीय बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल की छठी पीढ़ी है। भारतीय सड़कों पर 57,000 से अधिक ई क्लास वाहनों के साथ यह देश में सभी सेगमेंट्स में सबसे सफल लज्जरी सलून है। मर्सिडीज-बेंज ई क्लास भारत में 'लॉगस्ट रनिंग प्रोडक्शन कार' भी है, जिसका उत्पादन 1995 में शुरू किया गया था। नई लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास ने अत्याधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से पर्सनलाइज्ड ड्रीवर्स के मामले में बहुत ऊंचे मानक स्थापित कर दिए हैं। इसमें लज्जरीय स्तर पर उत्पादन शुरू होने के बाद ई क्लास ने लगातार विकास किया है और यह प्रबुद्ध ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप अनुकूलित होकर उनकी बेस्ट-इन-क्लास लज्जरी बिजनेस सलून बन गई है। 6वीं पीढ़ी का यह मॉडल संचालन विकास का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें मर्सिडीज-बेंज के लज्जरी, कम्फर्ट, और सुरक्षा के पारंपरिक गुणों के साथ आधुनिक डिजिटल इन्वेंशंस को जोड़ा गया है, जिससे आज तक की सबसे ज्यादा सॉफ्टवेयर-इंटीग्रेटेड और टेक्नोलॉजी में आधुनिक ई क्लास लॉन्ग व्हीलबेस बनी है।



सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार में आते ही सबसे पहला काम 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति देने का काम किया। मंत्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत

राज्य के आवासहीन परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी एवं राजिम विधायक रोहित साहू विशेष रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बघेल ने

जनप्रतिनिधियों के साथ पीएम आवास योजना के अंतर्गत पूर्ण आवास के 10 हितग्राहियों को चाबी एवं स्वीकृत आवास के 10 हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश प्रदान किया। मंत्री बघेल ने इस मौके पर हितग्राहियों को

नए मकान की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। खाद्य मंत्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा गरीबों के आवास के सपने को पूरा किया जा रहा है। मोदी द्वारा आवास देने की गारंटी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पूर्ण करने के लिए संकल्पित है। इसी तारतम्य में राज्य में अधिकाधिक संख्या में नए आवासों की स्वीकृति की गई है। इससे जरूरतमंद गरीब परिवार आवास योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण में गडबडी की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाये गये। प्रभारी मंत्री ने अतिथियों के साथ बच्चों को अन्नप्रदान, हितग्राहियों को श्रम

कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, स्वास्थ्य हेल्थ कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन एवं पोषण किट आदि का वितरण किया। कार्यक्रम में पॉड निवासी सरस्वती कुमार के नवीन घर का मॉडल बनाया गया था। अतिथियों ने मॉडल घर का पीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही हितग्राही को मिठाई खिलाकर नए घर की बधाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फर मेमन, जनपद पंचायत अध्यक्ष लालिमा ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य पित्तुराम कंवर, नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके, वरिष्ठ नागरिक राजेश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिकगण उपस्थित थे।



## संपादकीय



## लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता

श्रम मंत्री ने कहा है कि अन्ना की मौत के मामले की जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) की कर्मचारी अन्ना सिबैस्टियन पेरालिया की मौत के सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बनने के बाद लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता को लेकर भारतीय राजनेताओं की संवेदना में क्षणिक हलचल दिखाई है। अन्ना के गृह राज्य यानी केरल के नेता ज्योत्सना आहत नजर आए हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कार्य-घंटों को सीमित करने के लिए एक निजी मेंबर बिल पेश करने की घोषणा की है। थरूर ने कहा है कि किसी को भी एक दिन में आठ घंटों के ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। मामला गरम होते देख सत्ताधारी नेता भी विवाद में कूदे। विमत मंत्री निर्मला सीतारमन ने कॉलेजों एवं संस्थानों को सलाह दी कि वे अपने यहां छात्रों को काम के तनाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण का इंतजाम करें। श्रम राज्य मंत्री शोभा करांडजले ने मामले की जांच की घोषणा की। अब श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? यह आज की कार्य संस्कृति का हिस्सा है, जिसे बढ़ावा देने में खुद सरकारों का योगदान है। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खुलेआम कर्मचारियों से हफ्ते में 70 घंटे काम लेने की वकालत कर चुके हैं। अन्ना ने अपनी मां को लिखे पत्र में कहा था- काम का बोझ, नया माहौल, और लंबे कार्य-घंटों की कौमत्त उसे शारीरिक, भावनात्मक, और मानसिक रूप से चुकानी पड़ रही है। लेकिन क्या यह सिर्फ किसी एक कर्मचारी की व्यथा कथा है? ईएंडवाई बहुराष्ट्रीय कंपनी है। उसमें नौकरी हाई-प्रोफाइल मानी जाती है। उसके कर्मचारी उच्च मध्य वर्ग का हिस्सा हैं। संभवतः यह भी एक प्रमुख मांग है। लेकिन वजह से अन्ना की मौत मुद्दा बनी और राजनेताओं की संवेदना को भी छू सकती। वरना, इसी समय तमिलनाडु स्थित सैमसंग कंपनी में मजदूरों की हड़ताल चल रही है। कार्य-स्थलों में सुधार उनकी भी एक प्रमुख मांग है। लेकिन यह खबर कितने लोगों के पास है? तो कुल मिलाकर मामला सोशल मीडिया तूफान का है, जिसके थमते ही नेताओं की भावनाएं भी यथास्थिति में चली जाएंगी।

## वीरंगना रानी दुर्गावती सुशासित व समृद्ध साम्राज्य की प्रेरणास्रोत

वीरंगना रानी दुर्गावती महिला शासकों के भारतीय स्वर्णिम इतिहास का एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर है। रानी दुर्गावती ने 16वीं शताब्दी में गोंडवाना राज्य की शासक के रूप में अपने साहस और नेतृत्व के लिए ख्याति प्राप्त की। उनकी जन-कल्याणकारी व्यवस्था को सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। रानी ने एक संतुलित, न्यायपूर्ण और विकासवादी प्रणाली के रूप में शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए गोंडवाना को एक मजबूत और समृद्ध साम्राज्य बनाया। वीरंगना रानी दुर्गावती के शासन में गोंड संस्कृति ने देश की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध किया है। उन्होंने अपनी पारंपरिक प्रथाओं से पर्यावरण के संवर्धन और संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाई है। आजादी के प्रति असैन्य प्रेम और किसी भी अधीनता स्वीकार न करने की जिद और जुनून गोंड समाज की पहचान रही है। रानी दुर्गावती गोंड समुदाय के पराक्रम, भारतीय वीरता और शूरता की साक्षात् प्रतिमूर्ति थीं। मुगल साम्राज्य की अधीनता स्वीकार न करने वाली रियासतों के लिए मुगल काल में सुरक्षित रहना बहुत कठिन माना जाता था, क्योंकि विशाल मुगल सेना के सामने युद्ध भूमि में सामना करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में गोंडवाना साम्राज्य की संरक्षक के रूप रानी दुर्गावती के काबू एवं अपूर्व वीरता के साथ राज्य के विकास में किया गया अभूतपूर्व योगदान सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। रानी दुर्गावती के कार्यों और वीरता का गुण-गान आज भी जनजातीय क्षेत्रों में विभिन्न बोलियों और कई भाषाओं में किया जाता है, जो भावी पीढ़ियों के लिये प्रेरणास्रोत है। रानी दुर्गावती का संघर्ष मुगलों के खिलाफ था और वे जनजातीय संस्कृति और विरासत की सुरक्षा के प्रति कृत-संकल्पित थीं। उन्होंने मुगलों के खिलाफ एक सशक्त प्रतिरोध का आधार तैयार किया, जिसने देश के दूसरे क्षेत्रों में रहने वाले राजा-महाराजा और अधीनता स्वीकार न करने वाले अनेक समूहों को मुगल सत्ता के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान जबलपुर उनके साम्राज्य का केंद्र था। रानी ने करीब 16 वर्ष तक शासन किया। उन्होंने अपने कार्य-काल में अनेक मंदिर, मठ, कुएँ, बावडियाँ तथा धर्मशालाएँ बनवाईं। लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए रानी की कीर्ति दूर-दूर तक फैल गई। रानी दुर्गावती के लड़क मंडला पर मुगल सुबेदार बाजबहादुर की बुरी नजर थी, लेकिन युद्ध में रानी दुर्गावती ने उसकी पूरी सेना का सफाया कर दिया और फिर वह कभी पलटकर नहीं आया। मुगल सेना के कई हमलों को नाकाम करने वाली रानी दुर्गावती का खौफ दिल्ली की मुगल सत्ता को भी प्रभावित करने लगा। रानी दुर्गावती को अपनी रणनीतिक योग्यता, पारम्परिक सैन्य संसाधन और सैन्य शक्ति पर इतना विश्वास था कि वे विशाल मुगल सेना से कभी विचलित नहीं हुईं। रणक्षेत्र में रानी ने मुगलों की अपेक्षा में बेहद छोटी सेना होने के बाद भी असैन्य वीरता का परिचय दिया। इस कारण मुगल सेना युद्ध मैदान से भाग खड़ी हुई। रानी दुर्गावती ने मुगलों के खिलाफ अपनी भूमि की रक्षा के लिए जिस अद्वितीय साहस का परिचय दिया, वह भारत की मातृशक्ति के पराक्रम, शौर्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। रानी दुर्गावती को भारतीय इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध महारानीयों और बेहतर प्रशासकों में शुमार किया जाता है। उन्होंने जिस कुशलता से राज संधाला, उसकी प्रशस्ति इतिहासकारों ने भी की है। आईन-ए-अकबरी में अबुल फज़ल ने लिखा है कि दुर्गावती के शासनकाल में गोंडवाना इतना सुव्यवस्थित और समृद्ध था कि प्रजा लगान की अदायगी-स्वर्ण मुद्राओं और हाथियों से करती थी। रानी दुर्गावती ने गोंडवाना की स्थिरता, विकास तथा कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रभावी न्याय प्रणाली की स्थापना की।

## विचार-पक्ष

## स्वर्ण ऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूँजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ोतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण: सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपत्ति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते हैं। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारणों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39,687 करोड़ रुपये के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62,835 करोड़ रुपये हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79,218 करोड़ रुपये हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपये के स्वर्ण



ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण है, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूँजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं।

यहां स्वाभाविक रूप से प्रश्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर

25000 टन से भी अधिक हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपये की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17,500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरास) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरास के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान

पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है।

और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूँजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं। स्वर्ण ऋण की राशि आसान किश्तों में जमा करानी होती है, अतः स्वर्ण लेने वाले नागरिकों पर कोई बहुत अधिक दबाव भी नहीं पड़ता है। उक्त कारणों के चलते भारत में हाल ही वर्षों में स्वर्ण ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

चूंकि बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किया जा रहे स्वर्ण ऋण में वृद्धि दर अतुलनीय रही है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण ऋण स्वीकृति करने सम्बंधी नियमों के कठोर अनुपालन के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को हाल ही में चेताया है ताकि इन बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण स्वीकृत करने में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सके तथा स्वर्ण ऋण के खाते गैर निष्पादनकारी आस्तियों (एनपीए) में परिवर्तित नहीं हों। यदि बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वर्ण ऋण सम्बंधी नियमों का अनुपालन अक्षरशः किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते का गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित होना सम्भव नहीं है। हां, यदि असली स्वर्ण के स्थान पर नकली स्वर्ण के विरुद्ध ऋण स्वीकृत किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते की गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित होने की सम्भावना बन जाती है। इसलिए स्वर्ण ऋण प्रदान करते समय बैंकों को ऋण असली है इसके पक्की जानकारी होना आवश्यक है। इसके लिए स्वर्ण की जांच पुख्ता तरीके से की जानी चाहिए।

## आप की एंट्री भाजपा और कांग्रेस की देशन

अनिल चतुर्वेदी

हरियाणा चुनाव में आप पार्टी की एंट्री ने भाजपा और कांग्रेस की टेंशन बढ़ा रखी है। दोनों ही पार्टियाँ जीत को लेकर जितनी आश्वस्त थीं उससे कहीं ज्यादा अब दबाव में दिख रही हैं। यह अलग बात है कि केजरीवाल की पिटारी में भाजपा को कोसने और दिल्ली को दी गई पूरी के लॉलीपॉप के अलावा कुछ और नहीं है पर अपने अलग अंदाज में दिए जा रहे भाषणों से वे ऐसी ताकत बनने के फेर में लगे हुए हैं जिसके बिना हरियाणा में सरकार बनाने में इन दोनों पार्टियों को केजरीवाल की जरूरत महसूस हो। कांग्रेस अगर सूबे में सत्ता परिवर्तन देख रही है तो भाजपा सत्ता में तीसरी बार लौटने के लिए बेताल है। भाजपा को भरोसा है कि आप कांग्रेस का दलित और पिछड़े वर्गों के वोटों में संघ लगाने के साथ ही जाट वोटों को काटेगी जिससे भाजपा को फायदा होगा। जबकि कांग्रेस को अपने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर भरोसा है।

यही बजह रही कि हुड्डा को इस बार पार्टी हाईकमान ने पूरी छूट दी हुई है। यहाँ तक कि 90 सीटों वाली विधानसभा में 75 फीसद टिकट हुड्डा की इच्छा से ही दिए गए हैं। जबकि केजरीवाल इन चुनावों में खुद को तीसरी बड़ी ताकत बना लेना चाहते हैं। वे हरियाणा में मुफ्त बिजली के साथ पिछले सभी बिल माफ़, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा के साथ ही हरेक महिला को एक हजार रुपये देने की मुनादी पीटकर हरियाणा में अपनी ज़मीन तैयार करने में लगे हैं। मज़े की बात है कि केजरीवाल यह भी बता रहे हैं कि दूसरी पार्टियों की तरह उनकी दी जाने वाली गारंटियाँ फ़र्जी नहीं हैं और रही बची कसर उनकी पत्नी यह कहकर पहले ही पूरी कर चुकी हैं कि अरविंद का जन्म जन्माष्टमी पर हुआ था और भगवान उनसे कुछ अच्छा ही कराना चाहते हैं। अब भला हरियाणा में कौन बना पाता है सरकार और कौन रह जाता है बेकार यह तो रही इंतज़ार की बात, पर यह ज़रूर दिख रहा है कि गिरफ्तारी के दौरान राजनीति में जो कुछ भी केजरीवाल ने खोया

होगा उसे वे हरियाणा विधानसभा चुनावों में हासिल कर लेना चाहते हैं। आतिशो का दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के साथ ही सत्ता के गलियारों में अगले साल दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनावों में आप पार्टी से सीएम के चेहरे को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। फरवरी में चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में आतिशो का कार्यकाल मात्र चार महीने का ही बचेगा। यानी दिल्ली के लिए बहुत कुछ करने की उनकी इच्छा भी दफन हो लेगी। यह अलग बात है कि भरत की भूमिका में काम कर रही आतिशो को राजनीति के जिन दौबपंच या उम्मीदों में सीएम बनाया गया है उससे उनकी फिर से सीएम बनने की न तो बहुत इच्छा रह जानी है और न ही उम्मीदों पर सवाल तब यही बचेगा कि आप पार्टी की सरकार बनने में क्या वे सरकार में तीसरे नंबर की रहेंगी। जाहिर है कि वे अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से वरिष्ठ नहीं होंगीं। राजनीतिक गलियारों में तभी यह चर्चा है कि पार्टी या तो चुनाव में बिना चेहरे के उतरेगी या फिर भाजपा कांग्रेस को

गरियाते हुए केजरीवाल का चेहरा ही चुनाव में होगा। हालाँकि पार्टी भाजपा के चुनावी तीरों के चलते ऐसा करने बचती दिख रही है लेकिन उसके सामने फिर आतिशो के अलावा दूसरा चेहरा नहीं हो पाएगा। भला मनीष सिसोदिया का पार्टी में कोई तोड़ न हो और सरकार में रहते शिक्षकों लेकर जो किया लोग जान चुके हैं पर ऐसा नहीं लगता कि पार्टी मनीष के चेहरे पर चुनाव लड़े। तय मानिए कि विधानसभा चुनावों में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होना है ऐसे में उसाही भाजपा बहुत कुछ करने के लिए व्याकुल रहे और कांग्रेस और आप में चलने वाली खींचतानी में ही उसे अपना दिल्ली का भविष्य नज़र आ रहा हो। लेकिन फिलाहल दिल्ली के लोग भाजपा को दिल्ली से दूर रहते देख रहे हैं। और तभी लोग मान बैठे हैं कि आप एक बार फिर सत्ता में वापसी करें लेगी। लेकिन सवाल फिर वही बचेगा कि दिल्ली की सत्ता में वापसी के लिए आख़र कौनसा चेहरा होगा ?

## भारत बनाम दो हजार सैतालिस @2047

लेखक उमेश पासवान वरिष्ठ पत्रकार

जब भारत वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा होगा, उस समय भारतकी स्थिति क्या होनी चाहिए और कौन सी उपलब्धियों के साथ होनी चाहिए ? उसके लक्ष्य क्या होने चाहिए ? अभी-अभी हमने स्वतंत्रता के 75 वर्ष का अमृत महोत्सव मनाया है। स्वाभाविक रूप से देश ने अपनी उपलब्धियों और अपनी न्यूनताओं को भी सिंहावलोकन किया है ताकि हम एक उज्वल भविष्य के लिए लंबी छलांग लगाते की तैयारी कर सकें सम्पूर्ण देश को इस विषय पर चर्चा प्रारंभ हुई है। देश में भी अलग अलग प्रवाह प्रारंभ हुआ है कि अलगे पच्चीस-तीस वर्षों को हम अपनी विकास गाथा कैसे लिखें ?

आगामी चौबीस-पच्चीस वर्षों के पश्चात् जब हम देश का सौवां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे, तब हमारे देश का भविष्य कैसा हो ? उसकी एक रूपरेखा हमें तैयार करनीही चाहिए। ऐसी प्रक्रिया हमने अपनी नई शिक्षा नीति के बारे में भी अपनाई थी। नईराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार करने के लिए उससे पूर्व चार-पाँच वर्ष का समयलगाा देश भर में इसके लिए छोटी-बड़ी गोष्ठियाँ, सेमिनार, चर्चाएँ, कार्यवाही की गईं।सैकड़ों शोध पत्र पढ़े गए और व्यापक चर्चाएँ हुईं। इसी के परिणामस्वरूप भारत ने एक सर्व सम्मत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तय और लागू करने में सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार क्या हम अपनी नई अखिल भारतीय विकास नीति भी तय कर सकतेहैं ? वर्ष 2047 में विकसित भारत कैसा हो ? उसकी आर्थिक

स्थिति कैसी हो ? उसकी रक्षा नीतियाँ कैसी हो ? उसकी जनसंख्या का स्वरूप क्या हो ? उसकी विज्ञान और तकनीकी में कितनी बड़ी भूमिका हो और फिर कुल मिलाकर हमारे जीवन मूल्य औरविश्व को देखने का दृष्टिकोण कैसा हो ? इन विषयों को लेकर समग्र चिंतन होना हीचाहिए।

सरकार में इन विषयों पर दो-तीन वर्ष पूर्व ही चर्चा प्रारंभ हो चुकी है। सरकार नेकुछ प्रमाण पत्र (डॉक्यूमेंट) इनके ऊपर बनाए भी हैं, विशेषकर आर्थिक विषयों कोलेकर। यह स्वाभाविक है कि सरकारों का चिंतन प्रमुख रूप से आर्थिक दिशा में रहताहै, किन्तु समग्र चिंतन तो समाज को ही करना चाहिए। अपने यशस्वी प्रधानमंत्रीश्री नरेन्द्र मोदी ने 2 वर्ष पूर्व लाल किले से अपने संबोधन में कहा था कि अपना भारतआगामी 25-30 वर्षों में कैसा हो ? इसके लिए आरे देश को आह्वान किया था। उन्होंनेकहा कि यह अमृतकाल है, हम सब लोगों को अपने देश को एक विकसित देश के रूपमें उभारने के लिए जो भी व्यापक प्रयत्न हों, वह करने चाहिए और उसके बाद से नीति आयोग ने भी इसके ऊपर एक बड़ा डॉक्यूमेंट बनाया है। सरकारों को नियमित ऐसी प्रक्रियाएँ करनी ही होती हैं और करनी भी चाहिए। यहाँ यह भी ध्यान रखने की बात हैकि आर्थिक नीतियाँ बनाते हुए भी भारतीय चिंतन परंपरा व परिस्थितियों के अनुरूप भारत के ही अर्थविदों द्वारा यह होला चाहिए।

हाँ। यह अमृतकाल का प्रारंभिक समय इस चिंतन लेखन का अच्छा प्रारंभ ही तय कर सकतेहैं ? वर्ष 2047 में विकसित भारत कैसा हो ? उसकी आर्थिक



होता है,सरकार नहीं और किसी भी राष्ट्रीय नीति (विशेषकर विकास नीति) को केवल सरकारके अधिकारी ही बनाएँ, ये तो भारतीय चिंतन नहीं। इसलिए सम्पूर्ण प्रत्येक क्षेत्र में भारत का विकास मालाधिर नही,बल्कि उसे एक वैश्विक दृष्टिकोण से अपने विकास का मानदण्ड बनाना होगा, क्यों कि भारत विश्व का सबसे पुराना देश ही नहीं है बल्कि सम्पूर्ण वैश्विक इतिहास में भारत कीभूमिका अग्रणी व नेतृत्वकर्ता

भारत की भावी विकास यात्रा की रूपरेखा रेखांकित करते हुए हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत के लिए केवल अपने बारे में ही चिंतन करना पर्याप्त न नहीं,बल्कि उसे एक वैश्विक दृष्टिकोण से अपने विकास का मानदण्ड बनाना होगा, क्यों कि भारत विश्व का सबसे पुराना देश ही नहीं है बल्कि सम्पूर्ण वैश्विक इतिहास में भारत कीभूमिका अग्रणी व नेतृत्वकर्ता

की रही है। आर्थिक क्षेत्र से लेकर सांस्कृतिक क्षेत्र तकविश्व को भारत ने मार्गदर्शन दिया है। फिर कालचक्र घूमा और भारत को विदेशियों सेअपनी रक्षा के लिए भी संघर्ष में सात-आठ सौ वर्ष लगाने पड़े। ऐसी स्थिति में हम अपनेविश्व नेतृत्वकर्ता की भूमिका को भी भूल गए। किन्तु अब जब हम फिर से इस दिशा मेंबढ़ रहे हैं तो हमें इस प्रकार का पुनः प्रेरक प्रतिमान गढ़ना चाहिए, जो विश्व को भी प्रेरणा दे सके और भारत को भी एक विकसित, सम्पन्न, पूर्ण रोजगारयुक्त देश बनासके; जो पर्यावरण हितैषी तो हो ही, साथ ही उच्च जीवन मूल्यों के साथ अपने अभ्युदयव निश्रेयस को भी प्राप्त कर सके।

भारत-2047 को अपना लक्ष्य तय करते हुए वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ-साथ मानव जाति का भी चिंतन करना होगा और फिर केवल मानव जाति का ही नहीं, बल्कि समनजीव जंतुओं, प्रकृति का भी ध्यान रखना होगा। तभी हिंदुत्व या भारत सामाजिक, राजनैतिक कार्यकलाओंको, इस वृहद विषय पर चिंतन, मनन करके एक व्यापक सहमति बनानी ही चाहिए।यही राष्ट्रीय कर्तव्य भी है और यह देशभक्ति भी।

भारत की भावी विकास यात्रा की रूपरेखा रेखांकित करते हुए हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत के लिए केवल अपने बारे में ही चिंतन करना पर्याप्त न नहीं,बल्कि उसे एक वैश्विक दृष्टिकोण से अपने विकास का मानदण्ड बनाना होगा, क्यों कि भारत विश्व का सबसे पुराना देश ही नहीं है बल्कि सम्पूर्ण वैश्विक इतिहास में भारत कीभूमिका अग्रणी व नेतृत्वकर्ता

अपने करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफलता प्राप्तकी है। यही नहीं भारत अब विश्व की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्था (लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर)बन गया है। विकास के लगभग सभी क्षेत्रों में भारत ने लंबी तेजी से प्रगति की है। चाहेवह ढाँचागत क्षेत्र हों, सडक निर्माण, समुद्री बंदरगाह विमान सेवा, डिजिटल सेवा हो याअन्य रक्षा सम्बंधी क्षेत्र, भारत हर विषय पर तेजी से प्रगति कर रहा है और केवल प्रगतिही नहीं कर रहा, बल्कि वह तो विश्व में अग्रणी भूमिका में भी आ रहा है। चंद्रयान-3 की सफलता ने तो भारत को विश्व पटल पर सम्मानित भूमिका में ला ही दिया है।

आज भारत का कुल वस्तु व्यापार 800 बिलियन डॉलर को पार कर गया है औरशीघ्र ही एक ट्रिलियन डालर होने वाला है। सेवा क्षेत्र में हमारे आईटी सॉफ्टवेयर निर्यात लगभग 250 बिलियन डॉलर का हो गया है।

गत् वर्ष के सफल जी-20 सम्मेलन के बाद विश्व के भू राजनीतिक क्षेत्र में भारतने एक लंबी छलांग लगा ली है। अब भारत व्यापार, रक्षा, राजनीति सब विषयों में एकअग्रणी भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। इन तथ्यों के आलोक में हमें अपनीआगामी दिशा तय करनी होगी और 2047 तक एक विकसित व वैश्विक नेतृत्वकर्ता देश बनाने में जुटना होगा। पर्यावरण से लेकर अपने उच्च जीवन मूल्यों के अनुरूप हमेंअपने लक्ष्य तय करने होंगे। एक विकसित भारत, श्रेष्ठ जीवन मूल्यों वाला भारत,पर्यावरण हितैषी भारत, सबके सुखी होने की कामना करनी चाहिए।



# प्री डायबिटीज को किया जा सकता है रिवर्स

केवल शकर खाने से ही कोई प्री-डायबिटिक नहीं हो जाता, बल्कि जिन लोगों में सामान्य से अधिक मात्रा में हेल्दी ब्लड शुगर पाया जाता है उनमें भी टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 5 से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इतना ही नहीं प्री-डायबिटिक में हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डिमेंशिया, किडनी और आंखों के डैमेज होने, रक्तसंचार सुचारु नहीं होने से पैरों में दर्द का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्री-डायबिटीज की पहचान करना जरूरी हो जाता है।

## वजन से डायबिटीज पर कंट्रोल

अधिकांश प्री-डायबिटिक को इस बात की जानकारी ही नहीं होती कि उन्हें यह समस्या है। इस वजह से वे समय पर सही कदम नहीं उठा पाते और डायबिटीज के मरीज बन जाते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिसर्च के अनुसार दवाओं की तुलना में लाइफस्टाइल में परिवर्तन करने से अधिक लाभ मिलता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि पांच चीजें ऐसी हैं जो कैन्सर की आशंका को महिलाओं में 84 प्रतिशत और पुरुषों में 72 प्रतिशत तक कम कर सकती हैं, जैसे- पोषण युक्त आहार, नियमित व्यायाम, संतुलित वजन, अल्कोहल का कम सेवन और धूम्रपान पर रोक।

## पॉइंट

-केवल 7 प्रतिशत तक वजन कम करने से शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो जाता है।  
-इंसुलिन हॉर्मोन शरीर को 57 प्रतिशत तक ब्लड शुगर उपयोग कम करने का संकेत देता है।

## कैलोरी पर कंट्रोल

कुछ आसान उपायों से प्री-डायबिटीज को रिवर्स किया जा सकता है जिसमें आहार की मात्रा पर नियंत्रण, सैचुरेटेड फैट कम करना, जोकि डेयरी प्रोडक्ट और वसायुक्त मांस में पाया जाता है, फलों, सब्जियों और साबुत अनाजों के जरिए पर्याप्त मात्रा में फाइबर प्राप्त करना, हर दिन कम से कम 30 मिनट

का व्यायाम या एक्टिविटी में शामिल होना। डायबिटीज के कारण चूकि हार्ट अटैक और स्ट्रोक, किडनी फेलियर, नर्व डैमेज, सेक्सुअल समस्याओं, असामान्य रक्तसंचार का खतरा भी बढ़ जाता है इसलिए उपरोक्त उपायों के जरिए इन खतरों से भी दूर रखा जा सकता है।

## इन खतरों के बारे में अपने डॉक्टर से करें बात...

-यदि आप 45 साल के हो चुके हैं।  
-वजन अधिक है।  
-माता-पिता या भाई या बहन में से किसी को डायबिटीज की समस्या है।  
-गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज की समस्या रही हो या अधिक वजन वाले बच्चे को जन्म दिया हो।  
-शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय ना रहते हों।

## कुछ बातें हो सकती हैं कारगर...

-फैट और कैलोरी पर नजर रखना सबसे बड़ा टास्क होता है। इसके लिए एप की मदद ली जा सकती है, जो प्री-डायबिटिक के खाने के रूटीन को ट्रैक करता रहे। इसके जरिए फैट और कैलोरी पर नियंत्रण करना संभव हो सकता है।  
-रोगी को प्रोत्साहित करने के लिए परिवार का साथ भी बेहद जरूरी है। यदि घर में ही खाने-पीने और व्यायाम का हेल्दी माहौल हो तो इससे तालमेल बिटाने में अधिक परेशानी नहीं होगी। परिवार का कोई सदस्य डॉक्टर पर जा जिनमें रोगी का साथ दे सकता है।  
-टेलीविजन देखने के दौरान खाते रहना भी डायबिटीज को आमंत्रण दे सकता है। इस दौरान न तो हमें अपने खाने की मात्रा का ध्यान रहता है और न ही इस बात का कि हम क्या खा रहे हैं?  
-पोषक तत्वों के बारे में सही-सही जानकारी के लिए किसी आहार विशेषज्ञ की मदद भी ली जा सकती है और उनके निर्देशों के मुताबिक डाइट चार्ट तैयार किया जा सकता है।

## सर्दियों में कैसा हो डाइटचार्ट

सर्दियों का मौसम सेहत बनाने का होता है। इस समय डाइजेशन सिस्टम पूरी क्षमता से काम करता है। सभी हेवी डाइट खाना पसंद करते हैं। ड्राईफ्रूट्स और नट्स सेवन में शामिल किए जाते हैं। हेवी डाइट की शर्त है कि उसके साथ खूब कसरत की जाए। हम जैसा भोजन करते हैं, उसका असर हमारे तन व मन दोनों पर होता है। मौसम के बदलते ही अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए हमें अपने भोजन में कुछ फेरबदल करने होते हैं। हेल्थ कांशियस युवाओं के लिए यह मौसम चुनौतियों से भरा होता है। सर्द मौसम में व्यायाम कर अपने शरीर को ऊर्जावान बनाए रखना जरूरी है साथ ही ऐसा आहार जिनकी कम मात्रा लेने पर भी उनके शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। सर्दियों में अपनी डाइट को लेकर आप कन्फ्यूज्ड हैं तो हम लेकर आए हैं- सर्दी के मौसम में लो फेट विद हाई कैलोरी से भरपूर भोजन की जानकारी। इन्हें अपने डाइटचार्ट में शामिल कर आप अपने शरीर के बढ़ते वजन को नियंत्रित रख पाएंगे।

**सर्दियों में युवाओं की डाइट** - इस मौसम में अपने शरीर से थकान व आलस को दूर भगाने के साथ ही दिन भर स्क्रूति और ऊर्जा से भरपूर रहने के लिए युवाओं को डाइट चार्ट का पालन करना चाहिए।  
**ब्रेकफास्ट सुपर** - सुबह का नाश्ता हमें ऊर्जा देता है। नाश्ते में अंडे के साथ ब्रेड, उपमा, सैंडविच, डोसा आदि ले सकते हैं। रोजाना नाश्ते के बाद मलाई निकले हुए एक गिलास गर्म दूध का सेवन करना न भूलें। इन सबके साथ एक प्लेट फ्रूट या वीजीटेबल सलाद आपके नाश्ते को कम्प्लीट करेंगे।  
**लंच स्पेशल** - दोपहर के भोजन में हरी सब्जी, चपाती, ताजा दही या छाछ, छिलके वाली दाल के साथ चावल, गरमा-गरम सूप ले सकते हैं। लंच में हरी चटनी भोजन में मल्टीविटामिन्स की कमी को पूरा करती है।  
**डिलीशियस डिनर** - सर्दियों में रात को आप जल्दी भोजन करने की आदत डालें। रात का भोजन आपके दोपहर के भोजन की अपेक्षा हल्का होना चाहिए। रात को भोजन में आप खिचड़ी या दलिया जैसे हल्के भोजन का सेवन करें। सोने से कम से कम 4 घंटे पहले भोजन करने से शरीर में भोजन का पाचन अच्छे से होता है। रात को सोने से पहले हल्दी, खारेक या अदरक मिले एक गिलास गर्म दूध का सेवन अवश्य करें।



## सर्दियों में सेहत को दोगुना लाभ पहुंचाएंगे भीगे हुए काजू



सर्दियों के मौसम में लोग खुद को हेल्दी और फिट रखने के लिए कई तरीके अपनाते हैं। इस मौसम में पहनावे से लेकर खानपान तक में बदलाव आता है। वही इस मौसम में लोगों की इम्यूनिटी काफी कमजोर हो जाती है। जिसके कारण लोग वायरल, इन्फेक्शन या भी अन्य बीमारियों का आसानी से शिकार हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी होता है कि खुद को हेल्दी रखने के लिए अपने खानपान का सही ख्याल रखना चाहिए। आपको बता दें कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए कई लोग डाइट में ड्राई फ्रूट्स को शामिल करते हैं। सर्दियों में ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए लाभकारी होता है। इन्हीं में से एक काजू है। जिसके सेवन से कई फायदे मिलते हैं। वहीं सर्दियों में भीगे हुए काजू आपको सेहत को दोगुना फायदा पहुंचा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी अब तक काजू के फायदों से अज्ञान थे, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसके फायदों के बारे में बताते जा रहे हैं।

## बेहतर होगा पावन

सर्दियों में बहुत सारे लोगों को पाचन संबंधी समस्या होती है। जिसके कारण उनके रोजमर्रा का काम प्रभावित होने लगता है। वही यदि आप भीगे हुए काजू का सेवन करते हैं, तो आपको पाचन संबंधी समस्याओं में आराम मिल सकता है। बता दें कि भीगे हुए काजू मुश्किल घटकों को तोड़ने में मदद करते हैं। जिससे आपका पाचन बेहतर होता है।

## मजबूत होगी इम्यूनिटी

इसके साथ ही सर्दियों में इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। जिसके कारण हमें आसानी से बीमारियां व संक्रमण घेर लेते हैं। ऐसे में अगर आप भीगे हुए काजू का सेवन करते हैं, तो यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को

मजबूत करता है। काजू में जिंक पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो इम्यूनि सिस्टम को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं इस मौसम में भीगे हुए काजू खाने से पलू और सर्दी से भी बचा जा सकता है।

## एनर्जी लेवल

काजू एक हेल्दी फैट का बढ़िया स्रोत है। इसमें मोनोअनसेचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैट पाया जाता है। यह फैट आपको पूरा दिन एनर्जी देते हैं।

## स्किन के लिए हेल्दी

सर्दियों में सिर्फ सेहत ही नहीं बल्कि स्किन का भी खास ख्याल रखना पड़ता है। क्योंकि सर्द हवाएं हमारी स्किन को नमी छीन लेती हैं। इसलिए आप स्किन को हेल्दी रखने के लिए भीगे काजू का सेवन कर सकती हैं। बता दें कि भीगे काजू में विटामिन ई, सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। साथ ही यह आपको समय से पहले बूढ़े होने से बचाते हैं।

## ब्लड शुगर होगा कंट्रोल

बता दें कि भीगे हुए काजू का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है। क्योंकि भीगे हुए काजू में फाइबर की अच्छी मात्रा आपके ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करती है। साथ ही यह आपके एनर्जी लेवल को भी बनाए रखती है।  
**डिस्कलेमर** : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

## थाइरॉइड में शुगर और सोया से बचें



थाइरॉइड, गर्दन के सामने वाले हिस्से में तितली के आकार की ग्रंथि है। इससे निकलने वाले हार्मोन शरीर की भोजन को ऊर्जा में बदलने की क्षमता को काबू में रखते हैं। इस ग्रंथि में गड़बड़ी आने पर हाइपो या हाइपर थाइरॉइडिज्म होता है और वजन तेजी से कम या बढ़ने लगता है। हृदय, बाल, नाखून व नींद पर भी इसका असर होता है। दवाओं के अलावा थाइरॉइड पीड़ितों के लिए खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है।

## आयोडीन

शरीर में थाइरॉइड हार्मोन बनने के लिए आयोडीन की जरूरत होती है। चूकि शरीर स्वयं आयोडीन नहीं बनाता, इसलिए उसे डाइट में लेना जरूरी हो जाता है। आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि समुद्री नमक या डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाले नमक में आयोडीन नहीं होता। नमक या उत्पाद खरीदते समय इसका ध्यान रखें।

## समुद्री भोजन

मछली, झींगा आदि तमाम तरह के समुद्री भोजन में आयोडीन प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। यदि हाइपर थाइरॉइडिज्म की शिकार्यत है, तो समुद्री भोजन अधिक मात्रा में नहीं लेना चाहिए। अगर थाइरॉइड ग्रंथि अधिक मात्रा में हार्मोन बनाती है तो अतिरिक्त आयोडीन स्थिति को और गंभीर बना देता है। उदाहरण के लिए समुद्री घास में आयोडीन बहुत अधिक मात्रा में होता है।

## हठी पतेंदर सज्जियां, मेथे और चीज

मैग्नीशियम की कमी से हाइपो थाइरॉइडिज्म होता है, जिससे थकावट व मांसपेशियों में खिंचाव रहने लगता है। इसके लिए पालक, लेटसूस, हरी पतेंदर सज्जियां, काजू, बादाम और सीताफल के बीज खाएं। ब्राजील मेवों में मैग्नीशियम के साथ सेलेनियम भी होता है।

## सोयाबीन

विशेषज्ञों के अनुसार सोयाबीन लेना हाइपोथाइरॉइडिज्म की आशंका बढ़ाता है। यदि पर्याप्त आयोडीन नहीं ले रहे हैं तो सोया उत्पाद जैसे दूध व टोफू आदि में पाए जाने वाले रसायन थाइरॉइड की हार्मोन बनाने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

## चीनी

हाइपोथाइरॉइडिज्म में वजन तेजी से बढ़ता है। इसके लिए शुगर की मात्रा को कम रखना चाहिए। खासतौर पर ऐसे उत्पाद जिनमें कैलोरी अधिक व पोषक तत्व कम होते हैं, खाने से बचना चाहिए।

## दवाएं

कुछ दवाएं थाइरॉइड दवाओं के असर को कम करती हैं। खासतौर पर अगर वे लगभग एक ही समय ली जा रही हों। मल्टी विटामिन्स, आयन कैल्शियम सप्लीमेंट्स, एंटासिड, अल्सर या कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाली दवाएं इनमें प्रमुख हैं। यदि आप ऐसी ही दवाएं ले रहे हैं तो थाइरॉइड व अन्य दवाओं में कुछ घंटे का अंतर अवश्य रखें।

## गोभी व ब्रोकली

गाइट्रोसॉल, तत्व का असर थाइरॉइड ग्रंथि के आकार बढ़ने के रूप में दिखायी देता है जैसे गॉइटर। शरीर में आयोडीन की कमी से यह समस्या होती है। ऐसी स्थिति में गोभी, ब्रोकली, बंद गोभी खाना आयोडीन ग्रहण करने की क्षमता को कम करता है। जरूरी है तो इन्हें पकाकर ही खाएं।

## ग्लूटेन

ग्लूटेन, गेहूं व जौ में पाया जाने वाला प्रोटीन है। ग्लूटेन की एलर्जी वालों को छोड़ दें तो ग्लूटेन थाइरॉइड पर असर नहीं डालता। हां, अगर गेहूं आदि से एलर्जी है तो ग्लूटेन छोटी मात्रा में नुकसान पहुंचा कर थाइरॉइड ग्रंथि की प्रक्रिया को तेज या धीमा कर सकता है।

# क्यों बैठे हो खाली, बजाओ ताली! ताली बजाने से होंगे ये 5 रोग दूर

## गंभीर बीमारियों से बचने के लिए रोज ऐसे बजाएं ताली

व्यों बैठे हो खाली, बजाओ ताली! यह डायलॉग फेमस कार्टून मिष्की माउस का है। हालांकि यह डायलॉग आपकी सेहत के लिए बहुत काम का है क्योंकि ताली बजाना आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अक्सर किसी भी खुशी के मौके पर या किसी उपलब्धि पर हम अक्सर ताली बजाते हैं। साथ ही किसी भी कॉन्सर्ट में या महफिल में गाने सुनते समय भी आप रिदम के साथ ताली बजाना पसंद करते हैं।

आपको बता दें कि ताली बजाने से आप कई बीमारियों को दूर कर सकते हैं। जी हां, सिर्फ ताली बजाने से आप अपने शरीर को सेहतमंद रख सकते हैं। आइए जानते हैं ताली बजाने से आपकी सेहत को क्या फायदे मिलते हैं...

**1. कोलेस्ट्रॉल होता है कम** : ताली बजाने से रक्त में मौजूद कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इससे रक्तसंचार भी बेहतर होता है, जिससे खून की चाल तेज होती है और कोलेस्ट्रॉल कम होने में मदद मिलती है। कोलेस्ट्रॉल कम होने से आपका हृदय सेहतमंद रहता है और बेहतर तरीके से काम करता है।

**2. ब्लड प्रेशर नियंत्रित** : ताली बजाने से आपका ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल होता है। इसके साथ ही हाई ब्लड प्रेशर से हार्ट बीट तेज हो जाती है जिस कारण से हार्ट

संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। ताली आपकी हार्ट बीट को भी नियमित करने में मदद करती है।  
**3. गंभीर रोगों से बचाव** : ताली बजाने से आप कई गंभीर रोगों को दूर कर सकते हैं। हृदय रोग, डायबिटीज, गठिया जैसी बीमारी के लिए आप रोज ताली वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। हालांकि ताली की एक्सरसाइज में आपको लगभग 1500 बार ताली बजाना चाहिए जिससे आपको इन समस्या से जल्द राहत मिले और आपके शरीर का इन समस्या से बचाव भी हो।

**4. एक्जुप्रेशर थैरेपी** : विलनिक से महंगी एक्जुप्रेशर थैरेपी लेने से बेहतर है कि आप नियमित रूप से ताली की एक्सरसाइज करें। ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर में कुल 340 प्रेशर बिंदु होते हैं। इनमें से करीब 29 बिंदु सिर्फ हथेली पर मौजूद होते हैं। ताली बजाने से आप एक्जुप्रेशर थैरेपी ले सकते हैं।

**5. ऑक्सीजन का पलो** : अक्सर हमारे शरीर में ऑक्सीजन का पलो सही मात्रा में नहीं होता है जिससे कई गंभीर बीमारियां होने लगती हैं। साथ ही शरीर में ऑक्सीजन की कमी से आपका चेहरा भी काला पड़ने लगता है। ऐसे में शरीर में ऑक्सीजन पलो बढ़ाने के लिए आप नियमित रूप से ताली बजाएं। इससे आपके शरीर में सही रूप से ऑक्सीजन पलो होगा और आपकी स्किन भी ग्लो करेगी।





## संक्षिप्त समाचार

## 0 से 5 वर्ष के बच्चों का आधार कार्ड बनाया जा रहा है



**भिलाईनगर (समय दर्शन)**। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में 0 से 5 वर्ष के बच्चों के लिए आधार कार्ड बनाने का कार्य कार्यालयीन अवधि में किया जा रहा है। आधार कार्ड की आवश्यकता सभी को पड़ती है। नागरिकों की सुविधा के लिए यह व्यवस्था मुख्य कार्यालय में की गई है। बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज- बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता का आधार कार्ड, माता या पिता कोई एक व्यक्ति बच्चे को लाकर आधार कार्ड बनवा सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित शुल्क 50 रूपया है।

विधायक रिशेक सेन, महापौर नीरज पाल ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि अब आपको अपने 0 से 5 वर्ष के बच्चों के आधार कार्ड के लिए इधर-उधर जाने की आवश्यकता नहीं है। माता पिता में से कोई भी व्यक्ति आवश्यक दस्तावेज लेकर निगम मुख्य कार्यालय के जनगणना विभाग के सामने स्थित काउन्टर पर आकर बनवा सकते हैं। अपने भी सुविधा का लाभ ले एवं दूसरे अभिभावकों को भी बतावें।

## हाई मास्क लाइट से जगमगाया दुर्गा पंडाल, विधायक पहुंचे इंटरनेशनल कॉलोनी



**रिसाली (समय दर्शन)**। हाई मास्क लाइट से तालपुरी बी ब्लॉक का दुर्गा पंडाल जगमगा गया। क्लब हाऊस परिसर में बने गार्डन में हाई मास्क को स्टांल किया गया है। कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त दुर्गा ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बटन दबाकर हाई मास्क लाइट का उद्घाटन किया। दुर्गा ग्रामीण विधायक ने कहा कि नवरात्र का पावन पर्व चल रहा है। पूरा देश माता की आराधना कर रहा है। यह 9 दिन आराधना के साथ-साथ उत्सव का है। हम सब एक दूसरे के लिए मंगल कामना करते हैं। हम सब पर माता की कृपा बने रहे। विधायक ने कहा कि पार्षद के प्रयास से यहां पर हाई मास्क लाइट लगा है। शारदीय नवरात्र में परिसर जगमगा उठा है। ऐसा ही प्रकाश हम सब के जीवन में बना रहे। उन्होंने कहा कि समय के साथ और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य संपूर्ण क्षेत्र में होगा। इस अवसर पर पार्षद सविता ढवस, मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र शण्डे, महापौर राजू जंघेल समेत बड़ी संख्या में तालपुरी के नागरिक उपस्थित थे।

**नागरिकों ने किया सम्मान-** छत्तीसगढ़ ग्रामीण क्षेत्र एवं पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दुर्गा ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर का सम्मान किया गया। पार्षद सविता ढवस व नागरिकों ने शाल, श्रीपुत्र देकर सम्मान किया। इसके पहले दुर्गा ग्रामीण विधायक माता की आरती में शामिल हुए।

## जवाहर नवोदय विद्यालय सरायपाली में कक्षा 9वीं एवं 11 वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन 30 अक्टूबर तक

**महासमुंद्र (समय दर्शन)**। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय सरायपाली से प्राप्त सूचना के अनुसार सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ हो चुका है। जिसकी अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 है। जिले के शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त स्कूल में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत छात्र 9वीं एवं 10वीं में अध्ययनरत छात्र 11वीं हेतु ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। कक्षा 9वीं के लिए लिंक [https://cbsetmts.nic.in/w@wy/nvsi&i\\_vv](https://cbsetmts.nic.in/w@wy/nvsi&i_vv) एवं कक्षा 11वीं के लिए लिंक [https://cbsetmts.nic.in/w@wy/nvs&i\\_vv](https://cbsetmts.nic.in/w@wy/nvs&i_vv) के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए विद्यालय के प्रवेश प्रभारी बी.आर. पटेल के मोबाईल नम्बर 83195-95289 पर संपर्क कर सकते हैं।

## कलेक्टर लंगेह ने की कृषि से जुड़े सभी विभागों के कामकाज की समीक्षा

किसानों की आर्थिक स्थिति और बेहतर बनाने के लिए धान के साथ-साथ अन्य व्यवसायिक फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए - कलेक्टर

**महासमुंद्र (समय दर्शन)**। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में कृषि से जुड़े सभी संबंधित विभागों के कामकाज की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को लाभान्वित करना और उनकी स्थिति को मजबूत बनाना प्राथमिकता में शामिल है। जिले में किसानों की स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए धान के साथ-साथ अन्य व्यवसायिक फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा दलहन और तिलहन की फसलों को बढ़ावा भी दिया जा रहा है। किसानों को इसका लाभ सुनिश्चित कर दलहन और तिलहन की खेती के लिए उन्हें प्रेरित करें। कलेक्टर लंगेह ने किसानों को दलहन-तिलहन एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा सिंचित क्षेत्रों में



गेहूं की खेती को प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने कहा कि हम सबको यह कोशिश होनी चाहिए कि किसान ऐसी फसलें उत्पादित करें जिसकी बाजार में मांग हो, इससे किसानों को फायदा होगा। कलेक्टर ने कृषि एवं

समवर्गीय विभाग के मैदानी अमले द्वारा जिले में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने समीक्षा के दौरान सीजन में बीज और उर्वरक के वितरण के लिए पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने

समितियों के माध्यम से किसानों को कृषि ऋण दिलाये और किसानों को अधिक से अधिक इस योजनाओं से लाभान्वित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में सभी किसानों ई-केवाईसी करने, के.सी.सी. पंजीयन, फसल बीमा पंजीयन के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने आरईओ सहित कृषि विभाग के अधिकारियों को जिले के किसान को जागरूक कर फसल बीमा कराने एवं उन्नत फसल उत्पादन करने कहा है। बैठक में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने जिले में पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पशु टीकाकरण कार्यक्रम और पशु आहार वितरण योजनाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं। साथ ही, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। उद्यानिकी विभाग एवं मत्स्य विभाग ने भी अपने विभाग से संबंधित जानकारी दी। बैठक में कृषि सहित जुड़े विभिन्न विभागों उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन करने पर की गई कार्रवाई



## 11500 रुपये का समझौता शुल्क वसूला

**महासमुंद्र (समय दर्शन)**। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में आज सुबह दो हल्के मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन करते पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई

कलेक्टर कार्यालय के समीप की गई। मालवाहक वाहन क्रमांक सीजी 04 एन.ए. 5971 और सीजी 06 जी.वाय.6802 द्वारा यात्रियों को परिवहन किया जा रहा था। उक्त दोनों माल वाहन में यात्रियों को परिवहन किया जा रहा था, वाहनों पर 6500 रुपये, 5000 रुपये कुल 11500 रुपये का समझौता शुल्क वसूला गया।

कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर आशीष कर्मा, डिप्टी कलेक्टर मनोज कुमार खण्डे, और जिला परिवहन अधिकारी रामकुमार ध्रुव मौजूद थे। अधिकारियों ने मोके पर यात्रियों को यह समझाई दी कि मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन न करें और वाहन चालकों को सभी दस्तावेजों को अद्यतन रखने कहा।

## देह व्यापार का कानून पढ़ते, फिर भांडा फोड़ जैसी हेडिंग नहीं लगाते

**बिलासपुर (समय दर्शन)**। भारतीय संविधान में गरिमापूर्ण प्रतिष्ठित जीवन की बात प्रस्तावना में कहीं गई है। यही कारण है कि देश में अनैतिक देह व्यापार अधिनियम 1956 बना। इसमें समय समय पर संशोधन जी हुए। स्थान, कृत्य, पुरुष की भूमिका, ग्राहक दलाल की भूमिका, स्थान की परिभाषा स्थान के मालिक को आरोपी बनाना, सार्वजनिक स्थान पर किए जा रहे देह व्यापार को परिभाषित करना सब कुछ है। पूरे व्यापार में वेश्यावृत्ति की परिभाषा है पर वेश्या की कोई परिभाषा नहीं।

पीटा एक्ट नगरी निकाय की भौगोलिक सीमा के अंदर ही संभव है। पत्रकारिता के उत्साही खबरची देह व्यापार संबंधी खबरों को चटकरे ढंग से लिखने के चक्र में कुछ ज्यादा ही लिख देते हैं। कल बिलासपुर मोपका क्षेत्र के एक निजी आवास जिसे किराए पर दिया गया था वहां से आठ दर्जन से अधिक युवतियों को निकला

गया। युवक या पुरुष उनके बीच एक ही था लिहाजा वेश्यावृत्ति का मामला बनता ही नहीं था। यही कारण है कि अंत में पुलिस ने लड़कियों पर 151 दर्ज कर मुहचलका दिया। पर खबरचीयो को तो अलग-अलग राज्य स्थान, कृत्य, पुरुष की भूमिका, ग्राहक दलाल की भूमिका, स्थान की परिभाषा स्थान के मालिक को आरोपी बनाना, सार्वजनिक स्थान पर किए जा रहे देह व्यापार को परिभाषित करना सब कुछ है। पूरे व्यापार में वेश्यावृत्ति की परिभाषा है पर वेश्या की कोई परिभाषा नहीं।

देह व्यापार पर कार्रवाई करना और उसे सिद्ध करके सजा दिलाया दो अलग-अलग काम है। पहले काम आसान है दूसरा बेहद कठिन यही कारण है कि एकल अनैतिक व्यापार और संगठित अनैतिक व्यापार आमतौर पर सार्वजनिक स्थान, होटल, पार्कर, स्पा सेंटर से चलते रहते हैं। स्थान परिवर्तन इस धंधे की सफलता का महत्वपूर्ण अध्याय है। इस व्यापार के लिए नगद या अन्य तरीके के प्रलोभन उपहार सब कुछ की परिभाषाएं हैं। पर उसे स्तर की जांच

और कार्रवाई कठिन है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पूरे राज्य के बड़े शहरों में पैसा आया उद्योग और नए व्यापार और प्रतिष्ठान खुले पूर्व में जो धंधा सड़क छाप था धीरे-धीरे उसने पूरी तरह संगठित व्यापार का आकार लिया। सत्ता के गलियारे से लेकर जेल तक कॉरपोरेट ऑफिस से लेकर पान की दुकान तक यह व्यापार चल रहा है और अब तो दिल्ली में काम करने वाली यूक्रेन, कजाकिस्तान जैसे स्थानों की लड़कियां भी ग्रेड शहर तक पहुंच रही हैं। करण स्कन के धंधे में स्क्रल की जरूरत है। भाषा मायने नहीं रखती, सबसे बड़ा सवाल डिडेन की गई युवतियों को सुधार गृह में ले जाना है। यदि सुधार गृह में भी यही धंधा चल रहा है तो फिर क्या रास्ता बचता है। बिलासपुर में सरकंडा थाने क्षेत्र में स्थित एनजीओ संचालित सुधार गृह का मामला बड़ा उदाहरण है।

## गरबा का ऐसा हुजूम की हर तरफसिर्फमाता के भक्तज्दर रात तक होती रही माता की आराधना

गरबा उत्सव का सतरंगी जलवा देखने को मिली, रंग बिरंगी लाइट और लाईव म्यूजिक के बीच ताल से ताल मिलाते गरबा प्रेमी जन थिरकते हुए नजर आये:



**दुर्ग (समय दर्शन)**। 9 सितंबर शहर में पहली बार दो दिवसी गरबा का आयोजन पदमनाभपुर के मिनी स्टेडियम ग्राउंड में रखा गया है, जहां पहले दिन ही हजारों की संख्या में माता के श्रद्धालुओं ने आकर गरबा किया। दुर्गा नव निर्माण समिति द्वारा महापौर धीरज बाकलीवाल के संरक्षण में दो दिवसीय गरबा का भव्य आयोजन किया जा रहा है इसके इस गर्भ में दुर्गा शहर के सभी माता के साथ शामिल हुए

और गरबा का आनंद लिया। सर्वप्रथम माता की आरती के साथ गरबा उत्सव का आयोजन चालू किया गया जहां हजारों की संख्या पर लोग माता की भक्ति में डूबे हुए थे शाम को शुरू हुआ इस कार्यक्रम में बच्चों से लेकर नौजवान युवक युवतियां मने भरपूर गरबा का आनंद लिया। हर कोई गरबा की मस्ती में मस्त नजर आया। रॉक बैंड जबलपुर एवं आकर्षक लाइटें आकर्षण का विषय था। रास गरबा उत्सव की भव्यता की तारीफ आम शहरवासियों ने भी की, सबका यही कहना था कि दुर्गा शहर में पहली बार इतना भव्य गरबा का आयोजन हुआ है, जिसके लिए सबने दुर्ग के महापौर धीरज बाकलीवाल एवं दुर्गा नवनिर्माण समिति का आभार व्यक्त किया।

## यादव समाज के धरना प्रदर्शन को समर्थन देने पहुंची विधायक चातुरी नंद

विकास कार्यों में रोड़ा लगाने का विधायक ने लगाया आरोप

सर्व यादव समाज के धरना प्रदर्शन को समर्थन देने सरायपाली विधायक चातुरी नंद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पहुंची



**सरायपाली (समय दर्शन)**। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विधायक नंद ने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है विकास कार्यों में रोड़ा अटकाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान सरायपाली में कई समाज के सामाजिक भवनों के लिए राशि स्वीकृत की गई थी परंतु कई जगह निर्माण कार्यों में रोड़ा अटकाया जा रहा है तो कई

जगह स्थल परिवर्तन किया जा रहा है जिससे समाज के लोगों में शासन प्रशासन की कार्यशैली से भारी नाराजगी है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और भाजपा नेताओं पर भूमिप्राप्तकों को संरक्षण देकर जमीन का अप्रत्याशित सदनसीखेज आरोप भी लगाया।

विदित हो कि सर्व यादव समाज द्वारा सामाजिक भवन निर्माण को पूर्ण नहीं करने का आरोप लगाते हुए कई महीनों से ज्ञापन सौंपा जा रहा है तथा अधिकारियों से लिखित शिकायत भी किया गया है परंतु कोई कार्रवाई नहीं होने से धरना देना पड़ रहा है।

## कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने लाटाबोड़ में आयोजित जिला स्तरीय आवास मेला में लाभार्थियों को प्रदान किया स्वीकृत पत्र

हितग्राहियों को आवास की चाबी भेंटकर कराया गृह प्रवेश, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 08 हजार से अधिक आवासों की मिली स्वीकृति

**बालोद (समय दर्शन)**। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कर्जोने ने मंगलवार 08 अक्टूबर को जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम लाटाबोड़ में आयोजित जिला स्तरीय आवास मेला में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत नवीन स्वीकृत हितग्राहियों को स्वीकृत पत्र प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने हितग्राहियों को इस गुच्छ भेंटकर स्वागत भी किया गया। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों को प्रथम क्रिस्त के रूप में 40 हजार रुपये का डेमो चेक का भी वितरण भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों के निर्माण कार्य पूरा हो जाने पर हितग्राहियों को आवासों की चाबी भेंटकर उन्हें नवनिर्मित आवासों में प्रवेश भी कराया गया। उल्लेखनीय है कि प्रवेश भी आवास



योजना ग्रामीण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में बालोद जिले में 08 हजार से अधिक आवासों की स्वीकृति मिली है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत लाटाबोड़ एवं आसपास के अन्य ग्रामों के नवीन स्वीकृत लाभार्थियों को इस योजना के फलस्वरूप उनके लिए

आवास स्वीकृत होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने ग्रामीणों को इस योजना के महत्व एवं उद्देश्य के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हमारी सरकार की मंशा है कि प्रत्येक आवासहीन परिवारों को बेहतर आवास की सुविधा प्रदान की जाए। इसी मंशा के अनुरूप शासन के द्वारा सभी आवासहीन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास को स्वीकृति

सुनिश्चित की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले को कुल 13 हजार 779 नवीन आवासों का लक्ष्य आर्बटित किया गया है। जिसके विरुद्ध में 08 हजार 753 आवासों को स्वीकृत प्रदान की गई है। 113 हितग्राहियों को प्रथम क्रिस्त की राशि का अंतरण संबंधितों के खाते में राशि का अंतरण एफटीओ के माध्यम से किया जा चुका है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर एवं नए आवास की स्वीकृति मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने नवीन स्वीकृत हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत राशि का सदुपयोग कर आवास निर्माण के कार्य को शीघ्र पूरा करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि नवरात्रि के इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना

ग्रामीण के अंतर्गत जिले में 08 हजार से अधिक ग्रामीणों को नवीन प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मिलने से उनके चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ आजीविका के सीमित संसाधन होते हैं वहाँ लोग अपने परिवार के बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसे में यदि इन्हें आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एफटीओ के माध्यम से किया जा चुका है तो जीवन के बड़े से बड़े कष्टों से छुटकारा पाया जा सकता है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में इस त्यौहार के सीजन में अपना पक्का आवास निर्माण के बाद लाभार्थी विधिवत पूजा-अर्चना एवं अनुष्ठान करते हुए अपने सपनों के आशियाने में गृह प्रवेश कर रहे हैं। साथ ही जिन लाभार्थियों को नवीन आवास की स्वीकृति मिली है वे सभी परिवार भूमिपूजन कर अपनी खुशियां बाँट रहे हैं।



## खबर-खास

## पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा ने पंकज पटेल को बैच लगाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति दी



**कवर्धा (समय दर्शन)।** छत्तीसगढ़ शासन गृह (पुलिस) विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पदोन्नति हेतु जारी योग्यता सूची वर्ष 2024 के अनुसार पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया पंकज कुमार पटेल का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑफिस) जिला-कबीरधाम के पद पर पदोन्नति प्रदान कर नवीन पदस्थापना आदेश जारी किया गया है। इसी तारतम्य में दिनांक-09.10.2024 को पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज राजनांदगांव दीपक कुमार झा ने पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय राजनांदगांव में पदोन्नत अधिकारी श्री पटेल के कंधे में बैच लगा कर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी के पद से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति दी। साथ ही पदोन्नति के लिए बधाई व शुभकामनाएं भी दी। श्री पटेल जिला कबीरधाम में मार्च 2022 से पदस्थ होकर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया के पद पर पदस्थ होकर कार्यरत रहकर लगातार विभिन्न वी.आई.पी. ड्यूटी, लाइन ऑर्डर ड्यूटी, एवं विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव के दौरान वरिष्ठ अधिकारी गणों के द्वारा दिए गए निर्देशों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर कबीरधाम जिले के वरिष्ठ अधिकारी/कर्मचारी के साथ-साथ जिलेवासी सामान्य नागरिक गणों से भी बेहतर संबंध स्थापित कर जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। जिसके चलते पदोन्नति पश्चात पुनः कबीरधाम जिले में इनकी नवीन पदस्थापना उच्च पद पर हुआ है। जिससे पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों एवं जिलेवासियों में काफी प्रसन्नता है। जिला के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, एवं जिले के समस्त पुलिस अनुविभागीय अधिकारी व थाना/चौकी प्रभारियों के द्वारा पदोन्नत अधिकारी को पुष्पगुच्छ एवं मिष्ठान खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

## युवा मोर्चा के सदस्यता रथ को जिले में मिली व्यापक सफलता- मनीराम साहू

केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के कामकाज से प्रभावित होकर भाजपा से जुड़े लोग



**कवर्धा (समय दर्शन)।** उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला कबीरधाम द्वारा प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के आह्वान तथा जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक साहू के निर्देश में युवा मोर्चा सदस्यता रथयात्रा का शुभारंभ 4 अक्टूबर को हुआ था। यह रथ यात्रा धर्म नगरी कवर्धा में विराजमान मां महामाया की विधिवत पूजा अर्चना व आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्रीय सांसद संपूष पाण्डेय के कर कमलों से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। तब से लेकर अब तक जिला भाजपुमो अध्यक्ष मनीराम साहू के नेतृत्व में बीते पांच दिनों से जिले के गांव-गांव में इस सदस्यता रथ को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

सदस्यता रथ में शामिल भाजपुमो की 12 सदस्यीय टीम गांव-गांव पहुंचकर लोगों को केन्द्र की मोदी सरकार तथा प्रदेश की विष्णुदेव सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। जिससे लोग प्रभावित होकर भाजपा से बरबस ही जुड़े। जिला भाजपुमो अध्यक्ष श्री साहू ने बताया कि पहले दिन कवर्धा नगर के समस्त महाविद्यालय वह खेल मैदान, कोचिंग चौक चौराहों से होते हुए बाजार में सदस्यता अभियान चलाते हुए दूसरे दिन रथ बोड़ला मंडल के लिए आगे बढ़ गया। इसी प्रकार तीसरे दिन पांडातराई होते हुए मोहागांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। चौथे दिन पंडरिया होते हुए कुंडा व पिपरिया मंडल में सदस्यता अभियान चलाया गया। इसी प्रकार पांचवें दिन इंदौरी, रणवीरपुर तथा लोहारा मंडल में सदस्यता अभियान का समापन किया गया।

जिलाध्यक्ष श्री साहू ने बताया कि इस सदस्यता अभियान में प्रमुख रूप से सदस्यता प्रभारी संचिन गुप्ता, प्रदेश कार्य समिति सदस्य रथ प्रभारी रवि राजपूत, जिला महामंत्री योगेश चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष सह प्रभारी अजय सिंह ठाकुर, मिथिलेश बंजारे, जिला मंत्री नीतीश चंद्रवंशी, हेमचंद्र चंद्रवंशी, अनिल साहू, नरोत्तम साहू सहित सभी मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

## कलेक्टर श्री अग्रवाल ने नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक ली

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिले में लोगों को नशे से दूर करने नई रणनीति बनाई जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर दीपक अग्रवाल की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में जिले में नशे से उत्पन्न होने वाले दुष्प्रभाव एवं उनको दूर करने के उपायों पर विशेष चर्चा की गई बैठक में जिले को नशामुक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए इन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को जागरूक करें, नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दें और विशेष रूप से युवाओं के बीच इस अभियान को मजबूत करने को कहा बैठक में पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा, महिला बाल विकास विभाग और समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री अग्रवाल ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए सामुदायिक भागीदारी बहुत जरूरी है। साथ ही, उन्होंने नशा करने वालों के पुनर्वास के लिए भी योजनाएं बनाने पर



जोर दिया इन्होंने स्कूलों और महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में अवैध नशीली पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर कड़ी रोक लगाने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए इन्होंने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए जिले भर में विशेष अभियान चलाया जाए और अवैध नशीली पदार्थों के व्यापार में शामिल लोगों के

खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं। संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की जाए, नशीले पदार्थों की आपूर्ति को कड़ियों का पता लगाया जाए और तस्करी करने वालों पर गिरावारी रखी जाए। कलेक्टर ने नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिले के लोगों को नशा से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और समाजसेवी संगठनों को कहा कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाएं, जिसमें नशा से जुड़ी गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी दी

जाए इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों में भारत माता वाहिनी के महिलाओं की टीम के साथ रैली निकालकर गांव को नशामुक्त करने के लिए प्रचार-प्रसार करें इससे अधिक से अधिक लोगों को जोड़े। नशे से लोगों को इन बीमारियों के बारे में जानकारी दें और नशे से दूर रहने के उपाय सुझाएं। जागरूकता के लिए प्रचार-प्रसार कर हेल्थलाईन नंबर जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान गैर सरकारी संगठन में कार्य करने वाले सदस्यों ने नशामुक्ति के लिए अपने सुझाव भी रखे बैठक में बताया कि जिला मुख्यालय गरियाबंद में 15 बिस्तरों वाला नशामुक्ति केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा योगा, मेडिटेशन, निशुल्क निवास, भोजन एवं दवाई उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर समाज कल्याण के उप संचालक डी.पी. ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी ए.के. सारस्वत, जिला परियोजना अधिकारी निर्देशा एवं बाल विकास अशोक पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ. गंगी यदु पाल, एनजीओ से मनोज कुमार साहू, रामगुलाम सिन्हा, डेल्टाएम निर्मलकर, केशर निर्मलकर, उदय कुमार साहू उपस्थित थे।

## जिला मुख्यालय के गांधी मैदान में 5 नवम्बर को होगा एक दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन

कलेक्टर ने राज्योत्सव आयोजन के लिए विभागों को सौंपे दायित्व

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिला मुख्यालय में 5 नवम्बर को एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन स्थानीय गांधी मैदान में करने के निर्देश दिये हैं। इन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक तैयारियां एवं कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। एक दिवसीय राज्योत्सव में विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं के प्रदर्शन के लिए स्टॉल भी लगाए जायेंगे। इसके लिए कार्य योजना तैयार की गई है। कलेक्टर दीपक अग्रवाल द्वारा जिला प्रमुख अधिकारियों को सम्पूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम का मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। सहायक नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद राकेश कुमार गोलाख को बनाया गया है। इसके प्रदर्शनी के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य के शासन के उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जायेगा। स्थानीय कलाकारों के द्वारा उच्च दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। 5 नवम्बर तक रात्रि में शासकीय भवनों में



रोशनी की जायेगी। जिला स्तरीय राज्योत्सव में जिला मुख्यालय स्थित प्रमुख विभागों के थीम आधारित स्टॉल लगाये जायेंगे। महिला समूहों के कार्य भी लगाये जायेंगे। कलेक्टर द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभागीय अधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपे गये हैं। जिसके तहत जिला पंचायत सीईओ रीता यादव को सम्पूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम का मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। सहायक नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद राकेश कुमार गोलाख को बनाया गया है। इसके अलावा नगर पालिका गरियाबंद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आयोजन स्थल का साफ-सफाई, पेयजल, टैक्टर व्यवस्था, सभी सीईओ और सीएमओ को आमंत्रण पत्र वितरण करने, हितग्राहियों को

कार्यक्रम स्थल तक लाने-ले जाने की व्यवस्था, जिला सेनानी नगर सेना का फ्लैग ब्रिगेड की व्यवस्था, मंच निर्माण, स्टॉल निर्माण, बैरकेटिंग आदि कार्य पी. डब्ल्यू. डी. सांडल एवं लाइट व्यवस्था विद्युत यांत्रिकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं जिला शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सा व्यवस्था व एम्बुलेंस, पुष्प एवं सज्जा के लिए कृ.ओ.ए. एवं उद्यानिकी विभाग, विभागीय स्टॉल आबंटन महाप्रबंधक उद्योग एवं व्यापार तथा सांख्यिकी विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग को स्वल्पाहार एवं बांस बल्ली की व्यवस्था तथा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार का दायित्व जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों का राज्योत्सव की तैयारी के दायित्व सौंपे गये हैं।

## हत्या का खुलाशा प्रेमी के साथ पत्नि ने किया पति का हत्या, पत्नी और प्रेमी गिरफ्तार

**गरियाबंद (समय दर्शन)।** गरियाबंद पुलिस ने हत्या की साजिश में खुलाशा करते हुए प्रेमी के साथ मिलकर पत्नि ने किया अपने ही पति का हत्या के आरोप में पति की पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार किया है। मृतक की पत्नी ने पति की हत्या कर प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने शव को दफनाया था। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 8 अक्टूबर 2024 को सूचक पुनित मरकाम निवासी ग्राम डोलसराई थाना शोभा जिला गरियाबंद, थाना शोभा उपस्थित होकर अपने पुत्र रोहित मरकाम के गुम जाने के संबंध में गुमशुद्दगी रिपोर्ट थाना शोभा में दर्ज कराया था और अपने पुत्र रोहित मरकाम की गुमने के पिछे रोहित मरकाम की पत्नि सोमारी और उसके

कथित प्रेमी प्रकाश कश्यप निवासी धुवागुड़ी के द्वारा अपने पुत्र को मारकर गायब कर देने कि शंका जाहिर किये जाने पर गरियाबंद पुलिस कप्तान वरिष्ठ/उमनि पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले गरियाबंद के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चन्द्रकर के मार्ग दर्शन व सख्ख बाजी लाल सिंह मैनपुर के नेतृत्व में थाना शोभा प्रभारी द्वारा सूचक के संदेह के आधार पर रोहित मरकाम कि पत्नि सोमारी बाई को हिरासत में लेकर गृह्राहण किया गया जो पुलिस को गुमराह करने की भरपूर कोशिश की किन्तु अन्ततः जुर्म स्वीकार करते हुये बताया की दिनांक 15 जुलाई 2024 की दरमियानी रात को अपने प्रेमी प्रकाश

कश्यप के साथ एक राय होकर पति रोहित मरकाम को जान से मारने कि नियत से लोहे की राड से प्राणघातक हमला कर हत्या कर दिया। हत्या के बाद उसके शव को अपने खेत में गड्ढा खोदकर दफना दिया, कि आज से एक सप्ताह पूर्व रोहित मरकाम के कंकाल को गड्ढा से निकालकर बोरी में भरकर अपने प्रेमी के साथ मोसाओ से ग्राम कोदोमाली के कसहीझरण नाला में गड्ढा खोदकर दफना दिये है। जिस पर से मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही में लिया गया एवं पुलिस पार्टी/एम्बुसएल टीम एवं सख्खमैनपुर के घटना स्थल रवाना होकर महिला द्वारा बताया गये जगहो मे विधिवत् शव उत्खनन कार्यवाही कर कंकाल को जप्त किया गया।

## हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 15 अक्टूबर, 2024 को खुलेगी

**मुंबई :** हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (कंपनी) ने मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 को इंडिक्री शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ - ऑफर) खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी हुंडई मोटर समूह की अंग है, जो क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2023 में यात्री वाहन बिक्री के आधार पर दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी ऑटो आईएम थी। एंकर इन्वेस्टर बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, जो सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 है। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024 है। ऑफर का प्राइस बैंड 1,865 प्रति इंडिक्री शेयर से 1,960 प्रति इंडिक्री शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 7 इंडिक्री शेयरों और उसके बाद 7 इंडिक्री शेयरों के गुणकों के लिए बोली लगाई जा सकती है। कंपनी के आईपीओ में हुंडई मोटर ('प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर') द्वारा 14,121,790 इंडिक्री शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी को इस प्रस्ताव से कोई आय ('प्रस्ताव आय') प्राप्त नहीं होगी। यह ऑफर प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के विनियम 19(2)(बी) के अनुसार किया जा रहा है, जिसे संशोधित किया गया है।

## न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्गा (छ.ग.) उद्घोषणा

202410103000011 गटनोकर/अ-6/ वर्ष 2024-2025 एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन:- चन्द्रशेखर यादव पिता स्व. तुलाराम यादव जाति यादव पता- नया आमापारा दुर्गा तहसील व जिला दुर्गा के द्वारा पिता स्व. तुलाराम यादव पिता कोदू राम यादव के नाम से मौजा पुरई प.ह.नं. 54 स्थित भूमि खसरा नंबर 1077, 1084, 1241, 1243 रकबा कमशः 0.4100, 0.4700, 0.1400, 0.1700 है. भूमि पटवारी अभिलेख में दर्ज है। पिता स्व. तुलाराम यादव पिता कोदू राम यादव का दिनांक 25/07/2024 को हो गया है। पिता स्व. तुलाराम यादव पिता कोदू राम यादव के विधिक वारिसान :- गौरी बाई यादव पति, स्व. देवेन्द्र कुमार यादव मृतक पुत्र, विरेन्द्र कुमार यादव पुत्र, चन्द्रशेखर यादव पुत्र, पुष्पा यादव पुत्री, गीताजली यादव पुत्री, मालती यादव पुत्री। स्व. देवेन्द्र कुमार यादव पिता स्व. तुलाराम यादव का दिनांक 05/01/2024 को निधन हो गया है जिसके विधिक वारिसान 1. श्रीमती दीपाली यादव पति, योगराज यादव पुत्र, पूर्वाशी यादव पुत्री, पूर्णा यादव पुत्री। स्व. तुलाराम यादव पिता कोदू राम यादव के निधन हो जाने से उनके विधिक वारिसानी का नाम दर्ज किये जाने प्णैती नामांतरण आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उतर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 21/10/24 त स्वयं अथवा अपने विधिमन्य अधिकारता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयवधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। दिनांक आज 03/10/24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार दुर्गा (छ.ग.)

## कार्यालय, नगर पालिक निगम भिलाई, जिला: दुर्गा जौन कमाक - 05

E mail:- zonefivebhilai@gmail.com

क्र./लोकवि/जोन क्र. 05/2024/1082/181

भिलाई दिनांक 26/09/24

## निविदा आमंत्रण सूचना

आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग के भवन निर्माण एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015, रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01.01. 2015 विद्युत एस.ओ.आर. 01.07.2015/01.06.2020 एवं अद्यतन संशोधन के आधार पर कम/अधिक एवं आद्यतम दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद निविदा स्प्रीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन नियत तिथि 14.10.2024 को सायं 5.30 बजे तक इस कार्यालय में आवेदन के साथ निर्धारित राशि नगद जमा किया जाना अनिवार्य होगा।

निविदा जारी करने की तिथि - दिनांक 26.09.2024  
आवेदन की अंतिम तिथि - दिनांक 14.10.2024 सायं 5.30 बजे तक  
निविदा प्राप्ति की तिथि - दिनांक 22.10.2024 सायं 5.30 बजे तक  
निविदा खोले जाने की तिथि - दिनांक 23.10.2024

नोट:- निविदादाता लिफाफा में पत्र व्यवहार का पूर्ण पता अनिवार्य रूप से अंकित करें।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत राशि (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	जोन क्र. 05 अंतर्गत वाई 57 सेक्टर 04 के विभिन्न स्थानों में उद्यानों का संभारण, भवन एवं मंच का संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	4.00	4000.00	750/-	60 दिन
2	वाई 63 सेक्टर 06 में नाली पुलिया, उद्यान संभारण, पेपर ब्लॉक संभारण तथा स्टीट लाईट संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	4.00	4000.00	750/-	60 दिन
3	वाई 62 सेक्टर 06 मध्य में नाली पुलिया एवं उद्यान संभारण कार्य स्टीट लाईट संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	4.00	4000.00	750/-	60 दिन
4	वाई 61 सेक्टर 06 पूर्व में शौचालय संभारण, मंच एवं उद्यान का संभारण एवं स्टीट लाईट संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.58	4000.00	750/-	60 दिन
5	वाई 69 सेक्टर 09 में हार्स्पिटल सेक्टर में सड़क 8 के समीप मंच का संभारण एवं गोल मार्केट स्टीट लाईट संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.58	4000.00	750/-	60 दिन
6	वाई 59 सेक्टर 05 के विभिन्न उद्यानों का संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	4.00	4000.00	750/-	60 दिन
7	वाई 65 सेक्टर 10 जोनल मार्केट के पास स्टीट लाईट संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.66	4000.00	750/-	60 दिन
8	वाई क्र. 60 सेक्टर 05 के विभिन्न स्थानों में उद्यानों, मंचों बैडमिंटन कोर्ट, शेंड एवं स्टीट लाईट का संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.98	4000.00	750/-	60 दिन
9	वाई क्र.68 सेक्टर 08 में नाली, पुलिया संभारण बैडमिंटन कोर्ट संभारण, उद्यान का संभारण एवं स्टीट लाईट का संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.79	4000.00	750/-	60 दिन
10	वाई क्र.58 सेक्टर 04 में नाली, पुलिया संभारण बैडमिंटन कोर्ट संभारण, उद्यान का संभारण एवं स्टीट लाईट का संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.79	4000.00	750/-	60 दिन
11	वाई क्र. 64 सेक्टर 10 में विभिन्न उद्यानों का संभारण, स्टीट लाईट का संभारण एवं पेपर ब्लॉक का संभारण कार्य। (मूलभूत मर)	3.55	4000.00	750/-	60 दिन

(1) उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अधिकारियों के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाइट [www.bhilainaganigam.com](http://www.bhilainaganigam.com) संचालनालय की वेबसाइट [www.uad.cg.gov.in](http://www.uad.cg.gov.in) एवं वीएस की ई-गवर्नेंस के वेबसाइट [bhilai.urbanecg.gov.in](http://bhilai.urbanecg.gov.in) से देखी जा सकती है।

जोन आयुक्त जौन क्र. 05 सेक्टर 06 नगर पालिक निगम, भिलाई



संक्षिप्त-खबर



**अठवाही आज .. मंदिर में अठवाही आज मनाया जाएगा जिसमें माता की चरणों में टोट चढ़ाकर पूजन अर्चन के हवन व कन्या पूजन समिति द्वारा की जावेगी , वहीं समिति द्वारा विशाल खीर प्रसाद भंडारा का आयोजन भी किया जाएगा ।**

**अम्लेश्वर में मां दुर्गा मां मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा में शामिल होंगी कुंवारी माता, युवा नेता धर्मद्र साहू कुंवारी माता से भेंट कर दिया आमंत्रण**



**पाटन ( समय दर्शन )।** ग्राम अम्लेश्वर में 13 अक्टूबर को मां दुर्गा माता की मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। इसके पहले विशाल विसर्जन शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। इस शोभा यात्रा में ग्राम कातरी निवासी कुंवारी माता भी शामिल होंगी। विसर्जन शोभा यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रण देने बुधवार को न्यू स्तर साहड़ देव दुर्गा उत्सव समिति के प्रमुख युवा नेता धर्मद्र साहू सहित अन्य पदाधिकारी कातरी गए थे। कुंवारी माता ने 13 अक्टूबर रविवार को सुबह 11 बजे तिरंगा चौक में विराजित मां दुर्गा के विसर्जन यात्रा में शामिल होने की सहमति दी है।

**पाटन विधानसभा के ग्राम गब्दी में नवनिर्मित नव ज्योति दुर्गा कला मंच का लोकार्पण किया गया**



**पाटन (समय दर्शन)।** ग्राम गब्दी में कुंवार नवरात्र के पावन अवसर में नवनिर्मित नव ज्योति दुर्गा कला मंच का लोकार्पण किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्गा सांसद विजय बघेल ,मंडल अध्यक्ष दक्षिण पाटन लालेश्वर साहू विशेष अतिथि शरद बघेल, चंद्रशेखर (कुंजाम सांसद प्रतिनिधि) जगेश यादव,टाकेश ठाकुर, सुनील ठाकुर, दीपक ठाकुर, सूरज चंद्राकर, कोमल यादव,राकेश ध्वज,डोमन,प्रितम साहू, लुकेश यादव, पवन वर्मा,हेमंत ध्वज, मनीराम,केशवराम, चितरंजन यदु, खुमेश यादव, सरिता ध्वज, ममता यादव एवं नव ज्योति दुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्यगण एवं समस्त ग्राम वासी गब्दी मौजूद थे।

गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति के कार्यक्रम में अनुज शर्मा संग झुम उठा पूरा शहर

**दुर्गा ( समय दर्शन )।** श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति के 57 वां वर्ष में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंगलवार को छत्तीसगढ़ के सुपर स्टार पद्मश्री अनुज शर्मा का कार्यक्रम अनुज शर्मा नाइट रात्रि 9 बजे मां विणाधारणी के समक्ष दिपप्रज्वलन के साथ अतिथियों के स्वागत सत्कार एवं उद्बोधन के साथ गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ आयोजन में कार्यक्रम के अतिथि पुलिस महानिदेशक रामगोपाल गर्ग पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला , राजेंद्र साहू, देवलाल ठाकुर , पायल जैन , कमलनारायण रूंगटा , संतोष रूंगटा , उपस्थित थे अतिथियों में रामगोपाल गर्ग



, ने सभी को नवरात्रि पर्व की बधाई शुभकामनाएं दी एवं प्रशासन का को सहयोग करना का आह्वान किया जितेंद्र शुक्ला जी ने नवरात्र बालों को शक्ति का पर्व बताते हुए साइबर फ्राइड के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि आप इसे सतर्क रहे हैं राजेंद्र साहू एवं देवलाल ठाकुर कहा हम इस समिति के सदस्य हैं। ये प्यार और सम्मान के लिए समिति के सभी सदस्य को धन्यवाद आभार व्यक्त करते हैं स्वागत भाषण विकेश मिश्रा ने आभार रवि पिडियार ने किया अनुज शर्मा ने मंच में आते हैं माता के भजनों से एवं जस गीत ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया

पूरा दुर्गा पंडाल अनुज शर्मा के गीतों पर झुम उठा अनुज शर्मा ने कार्यक्रम को सफलता के लिए समिति की व्यवस्थापक एवं समिति को बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में संजय रूंगटा , विनित जैन किशोर जैन ,शैलेश तिवारी , सतिश कश्यप ,विवेक मिश्रा मुकेश राठी सहित पुरी समिति के सदस्य ने कार्यक्रम के बल बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कार्यक्रम में नगरवासियों सहित विभिन्न जिलों से आए हुए लोगों ने पूरा आनंद लिया। आन अक्टूबर को इंडिया आइडल सुपर स्टार नाइट का आयोजन रात्रि 9 बजे से होना है।

ग्राम रजपालपुर में साप्ताहिक हाट बाजार का शुभारम्भ पिथौरा मे रास गरबा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है

**बसना ( समय दर्शन )।** बसना विधानसभा अंतर्गत बसना अंचल व पिथौरा विकासखंड के अंतिम छोर में बसे वनांचल ग्राम रजपालपुर में साप्ताहिक हाट बाजार का शुभारंभ किया गया। ग्राम रजपालपुर में प्रति शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाएगा। साप्ताहिक हाट बाजार - शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती हेमकुमारी नायक जिला पंचायत सदस्य महासमुंद - एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रेमलाल नायक सरपंच ग्राम पंचायत रजपालपुर मुख्य रूप से उपस्थित थे। ग्राम रजपालपुर पिथौरा विकासखंड के अंतिम छोर में बसा हुआ है, पर बसना से नजदीक होने की वजह से व्यापारिक संबंध बसना से है। यहाँ के ग्रामीणों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत के द्वारा दिन शुक्रवार को साप्ताहिक हाट - बाजार लगाने का आयोजन किया गया है। जिससे - अंचल के ग्रामीणों को अपने सुविधा अनुसार



बताया कि अंचल के अनुरूप रजपालपुर में प्रति शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार बिठाने का निर्णय लिया गया है। ताकि ग्रामीण जनों को साग सब्जी सहित राशन सामग्री खरीदी करने में किसी तरह की असुविधाओं का सामना करना ना पड़े। जनहित को देखते हुए शुक्रवार के दिन साप्ताहिक हाट बाजार लगाने का निर्णय से भी संतुष्ट है। साप्ताहिक हाट बाजार शुभारम्भ कार्यक्रम में मोहनलाल कश्यप, पिरितराम कश्यप, किशोर नायक, पितामबर नायक, निलसागर पटेल, जीवन लाल नायक, बसंत नायक, ईश्वर प्रसाद नायक, गणपत चौहान, डिग्री लालसाव, आनंद बरिहा, उत्तर कुमार बाग, चंद्रमणी परेश्वर, दीपक नायक, निराकार नायक, देवी प्रसाद नायक, मेघनाथ नायक, क्षमा निधि नायक, महेंद्र नायक, ? कन्हैया लाल नायक, जबूलाल नायक चनाट वाले, मनीराम पटेल, मोहनलाल पटेल, उदल पटेल, संतलाल पटेल, कुंजल पटेल, धर्मेंद्र महापात्र, निरपति नायक, नित्यानंद पटेल सहित समस्त ग्रामवासी रजपालपुर के उपस्थित रहे।



**पिथौरा ( समय दर्शन )।** श्री गणेश उत्सव दुर्गा समिति अंजली विहार कालोनी में प्रतिदिन होने वाले रास गरबा का कार्यक्रम पिथौरा सहित आस पास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पिथौरा नगर के बच्चे, युवक युवतियां हर उम्र के श्रद्धालु भक्त वृन्द सभी अति उत्साह के साथ रात्रि 8:30 का बेसव्री के साथ इंतजार करते हैं। बच्चों के माता पिता भी कार्यक्रम में शामिल होकर गरबा मंच को शोभा बढ़ाते हैं। अंजली विहार कालोनी दुर्गा मंच के बैनर तले आयोजित गरबा के कार्यक्रम की तारीफ सभी तरफहो रही है। जो प्रतिदिन अंजली विहार दुर्गा समिति के मंच में गरबा करने जाती है। दुर्गा समिति द्वारा प्रतिदिन बच्चों के उत्साह वर्धन से बेहतरीन गरबा करने वालों को पुरस्कार दिया जाता है। वहीं नगद पुरस्कार की भी व्यवस्था है, जो नवमी के दिन दिया जायेगा। साथ ही साथ आकर्षक पुरस्कार भी रखा गया है, जो बच्चियाँ, बच्चों को नवमी के दिन दिया जायेगा। अंजली विहार कालोनी श्री गणेश उत्सव दुर्गा समिति के सभी सदस्य गण बधाई के पात्र हैं जिनके द्वारा गरबा आयोजन कर बच्चों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराया है। इस प्रकार से श्रद्धा और संस्कृति का संगम देखने को मिल रहा है।

स्कूल का रखरखाव व बच्चों की शिक्षा में सुधार हेतु बनी सहमति



**बसना ( समय दर्शन )।** बसना विकासखण्ड के ग्राम पठियापाली स्कूल में पालकों, शिक्षकों के परस्पर सहयोग से पालक, शिक्षक की एक बैठक आहूत की गई। बैठक में स्कूल भवन की रंगाई-पोताई व शाला भवन के कक्षों, प्रांगण में स्वच्छता बनाए रखते हुये बच्चों के अध्यापन, अध्ययन में और अधिक रुचि बढ़ाने व पूरे शाला भवन को आकर्षक बनाने संबंधी विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुये स्कूल में आवश्यक जरूरतों को पूरा करने ग्राम स्तर मे जन सहयोग करने की सहमति बनी। मिली जानकारी के अनुसार उक्त शाला

भवन में आहूत बैठक का शुभारंभ शाला विकास समिति के पदा धिकारियों, सदस्यों के आतिथ्य में दीप प्रज्वलित कर किया गया, तत्पश्चात उपस्थित सभी लोग स्कूल की स्वच्छता रखरखाव, सुंदरता व शिक्षा के स्तर को सुधारने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से स्कूल भवन को बाउंड्री की मरम्मत कमरों का रंग रोगन हेतु जन सहयोग करने बातें रखी। जिसमें पालकों ने अपनी इच्छानुसार सहयोग करने सहमति दी। बैठक में नेवता भोज कराने, नवीदय की कक्षाये लगाने, बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनवाने, शिक्षा में सुधार के प्रवास के अलावा समय-

समय पर बच्चों को समसामयिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा देने पर सहमति बनी। इन सभी विषयों पर बैठक में उपस्थित जनों ने अपनी सहमति देते हुए विस्तृत चर्चा परिचर्चा कर बैठक में सुझाव भी रखे। बहरहाल उक्त बैठक में खासतौर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष महेश राम उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता नाग, एवं सदस्य अग्रसेन साहू राजू नंद, रघुलाल जगत अनिल नाग, बीपी किशन साहू, प्रदीप नेताम, घनश्याम साहू, फ़ू लाल दास, प्रमोद साहू, श्रीमती विनीता, ममता साहू, एकता प्रधान, दीपांजली भोई, शिक्षिका श्रीमती कंचन, प्रधान पाठक श्रीमती सरिता प्रधान आदि उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर्व के विभिन्न आयोजनों में शामिल हुए जगजीत सिंह भाटिया



**छुरिया ( समय दर्शन )।** खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रेंगाकटेरा, मांगाटोला, काहड़कसा, सोनसाटोला, खपरभाट में नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्रामीणों द्वारा भजन, जस-झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अनेक कार्यक्रमों में जगजीत सिंह भाटिया शामिल हुए। विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री भाटिया ने कहा कि प्राचीन काल से ही गांव की सुख-समृद्धि-कल्याण के लिए नौ दिन तक मां दुर्गा स्थापना कर आराधना करते हैं। हिंदुओं का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक है। इस अवसर मुख्य रूप से किशोर यादव जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा, संजय कुमार सिन्हा महामंत्री मंडल भाजपा छुरिया, हुमान चंद्रवंशी, छ्त्रू लाल साहू, द्वारका प्रसाद, रिखू राम साहू, कामता प्रसाद, देवेन्द्र सरवा, श्रीमती सतरूपा चंद्रमा सरपंच, डोंगरगांव, नारद टेंबुरकर, ईश्वर साहू, कन्हैया साहू, सूर्यप्रकाश सिंह राजपूत मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण भवरपुर शिविर का भव्य समापन

**बसना ( समय दर्शन )।** बसना विकासखण्ड के भवरपुर मे कलेक्टर विनय कुमार लंगोह के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण तथा कुड़ो संघ महासमुंद के तत्वाधान में राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 5 से 9 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया गया है। जिसमें विभिन्न जिलों से प्रशिक्षण शिविर में युवक, युवतियां शामिल हैं। आज 9 अक्टूबर को समापन समारोह में मुख्य अतिथि डिजेन्द्र कुर्से समन्वयक संकुल केन्द्र जमदरहा, अध्यक्षता कमल स्वर्णकार प्राचार्य सरस्वती व शिशु मंदिर भवरपुर , विशिष्ट अतिथि भोज प्रधान पत्रकार, विशु अग्रवाल , कुड़ो एसोसिएशन के

जिला अध्यक्ष मीरा पंडा, सचिव दीपक निषाद जिला टोंग इल मो डू सचिव जांजगीर अखिलेश आदित्य, अश्वनी ध्रुव गरियाबंद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित व पूजा अर्चना कर किया गया डिजेन्द्र कुर्से ने उद्बोधन में कहा कि बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ थीम को लेकर जिले में विभिन्न कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सुपोषित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए सही पोषण का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक करने कहा गया। इस विषय में बताते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ नशामुक्ति अभियान, स्वच्छता, खेलकूद व विभिन्न जागरूकता रैली अयोजित कर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में कार्य कर रहे



हैं इस प्रशिक्षण में खिलाड़ियों ने अतिथियों के समक्ष काता, कुमिटे व नान चाकू का प्रदर्शन किया। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवरपुर के विद्यार्थियों ने समापन समारोह में

स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यालय प्रांगण में कलेक्टर द्वारा तृतीय दिवस में वृक्षारोपण किया गया। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्रतिदिन सुबह व शाम

नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसमें स्वच्छता कार्य एवं जागरूकता रैली के साथ युवाओं को नशा से दूर रहने नशा मुक्ति रैली निकाली गई व स्वास्थ्य लाभ के लिए खेलकूद, बीमारियों से दूर रखने के लिए स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली का आयोजन कलेक्टर महासमुंद के निर्देशानुसार लगातार किया जा रहा है। राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर प्रोत्साहित किया। सेजेस भवरपुर के चार खिलाड़ी भूपेश बारीक, कृष्णाकांत चौधरी, गुलशन साहू, गुणसागर पटेल को ब्लैक बेल्ट डिप्लोमा देकर विशेष सम्मानित किया गया। साथ ही